भोपाल, शनिवार
22
मार्च 2025

दैनिक मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 अंक-205 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

'कैलाश' बनकर तीसरा नेत्र खोलिए 'मकवाना' जी...

मध्य स्वर्णिम
प्रसंगवश

ऋषिकांत सिंह (रजत) परिहार
मो. : 09425002527

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने बड़े उम्मीद के साथ पुलिस महानिदेशक के लिए 1988 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना का चयन किया था। क्योंकि मुख्यमंत्री को कैलाश मकवाना की कार्यप्रणाली पर अटूट विश्वास था और उन्हें पता था कि मकवाना के कार्यकाल में पुलिसिंग में बेहतर सुधार होगा और लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। लेकिन पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में जो घटनाएं हुई है उससे कानून व्यवस्था चौपट हो गई है। अब स्वयं पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर 'ब्लैक होल' की डीपी लगाकर सुरक्षा की मांग कर रहे है। आज आलम यह है कि कानून के रखवाले स्वयं खुद की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री और डीजीपी से गुहार लगा रहे है। ऐसे में प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के बीच 'मोहन सरकार' की छवि धूमिल हो रही है साथ ही जनता का पुलिस पर विश्वास ना के बराबर रह गया है। अगर हम बीतें कुछ दिनों की घटनाओं पर सिलसिलेवार प्रकाश डाले तो सबसे पहले हम आर्थिक राजधानी इंदौर में हुई घटना की बात करते है जिसमें परदेशीपुरा पुलिस द्वारा केस दर्ज करने के विरोध में हंगामा कर रहे थे तभी तुकोगंज थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह यादव मौके पर पहुंचे, तो वकीलों ने उन पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाकर घेर लिया। देखते ही देखते हालात बिगड़ गए और वकीलों ने थाना प्रभारी को खदेड़ दिया। इतना ही नहीं, भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने एसीपी की वर्दी तक फाड़ दी। इसी तरह मऊगंज जिले की घटना में शाहपुर थाना क्षेत्र के गड़रा गांव में

आदिवासी परिवार के हमले से एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई है। साथ ही थाना प्रभारी संदीप भारतीय, हनुमना तहसीलदार कुंवारे लाल पनिका, एएसआई बृहस्पति पटेल, एएसआई राम चरण गौतम, एसडीओपी अंकिता सूल्या और 25वीं बटालियन के जवाहर सिंह यादव समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह सिलसिला अभी यहाँ थमा नहीं है क्योंकि 48 घंटे पहले ही दमोह जिले के देहात थाना अंतर्गत ग्राम मराहार में पुलिस 23 अपराधों के आरोपी कासिम खान को पकड़कर अवैध रूप से रखे हुए हथियारों की तलाश में गई थी। इस दौरान आरोपी द्वारा पुलिस टीम पर पिस्टल से फायर कर दिया, जिससे जबलपुर नाका चौकी प्रभारी एएसआई आनंद अहिरवार के हाथ में गोली लगने से घायल हो गए। इतना ही नहीं पुलिस की इस तरह बेबसी को देखते हुए छतरपुर में पदस्थ एसआई अवधेश दुबे ने तो वीडियो जारी कर मऊगंज, इंदौर और दमोह में पुलिस से मारपीट और अभद्रता की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से सुरक्षा की गुहार लगाई है। सबसे खास बात यह है कि विधानसभा में आज आठवें दिन विधायक अजय मिश्रा ने तो अपने और परिवार पर हुए आपराधिक मामले दर्ज होने और बाद में खात्मा काटने के विषय पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठाते हुए सुरक्षा के साथ न्याय की मांग की। ***उपरोक्त सभी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और स्मार्ट पुलिसिंग के साथ ही लॉ एंड आर्डर की स्थिति मजबूत बनी रहे, इसलिए 'कैलाश' बनकर तीसरा नेत्र खोलिए 'मकवाना' जी...। क्योंकि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के हाथ में अभी बांसुरी है चक्र मत आने दीजिए वरना...?***

चूड़ियों का बोझ तो कलाइयां सह न सकीं....

प्रसंगवश एक पुराना शेर है, 'चूड़ियों का बोझ तो कलाइयां सह न सकीं, कहते हैं कि तलवार हम उठाएंगे।वैसे तो ये लाइनें बहुत पुरानी हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति में बिल्कुल मौजू लग रही है। संदर्भ जब विधानसभा में प्रश्नकाल में सिमरिया विधायक अभय मिश्रा और पुत्र पर कायम अपराध और उसके खात्मे का था। उत्तर देने के पूर्व ही राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के फफककर रोने से सारा सदन आवाक रह गया। दरअसल,प्रश्न गृह विभाग से मुतल्लिक था और सदन में जबाव देने के लिए मुख्यमंत्री ने नरेंद्र शिवाजी पटेल को नामित किया है। इस लिहाज से ये भावुकता कहीं ज्यादा ही चर्चा में आ गई है। ***चर्चा यह भी होनी चाहिए कि संवेदना और भावुकता में अंतर क्यों नहीं होना चाहिए।संवेदनशील प्रशासक या व्यक्ति कहीं बेहतर स्थिति को संभाल सकता है अपेक्षाकृत भावुक व्यक्ति के।*** *फिर राजनीति से इतर हटकर जब बात सबसे संवेदनशील महकमे पुलिस की हो तब तो भावुकता की जगह संवेदना ही ज्यादा श्रेयस्कर है।* ***अब यदि बात आज के संदर्भ और मंत्री जी के पुत्र के साथ हुए प्रसंग की करें ,जिसकी वजह से शायद भावुकता के वो पल आए तो दोनों में जमीन आसमान का अंतर है। नरेंद्र शिवाजी पटेल के पुत्र पर मामला तब दर्ज हुआ,जब उसने अपने पिता के सत्ता में होने का अनैतिक फायदा उठाने की कोशिश की। चलते हुए राहगीरों को अपनी गुरूर का शिकार बनाया। मंत्री जी जब थाने पहुंचे तब भी उनकी हनक के आगे स्टाफ निर्लिप्त भाव से बैठ गया। लेकिन, जैसा कि सदन में खुद अधिकारियों ने स्वीकार किया कि अभय मिश्रा और उनके पुत्र पर कायम किया गया मुकदमा रंजिशवश था। जिसका खात्मा भी लगाना ही पड़ा, लेकिन इसके बीच उनके परिवार को बड़ी त्रासदी से गुजरना पड़ा।***

मध्य स्वर्णिम
विशेष संपादकीय

सुनील दत्त तिवारी
मो. 9713289999

लिहाजा भावुकता विधायक अभय मिश्रा को दिखानी थी और बतौर मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में संवेदना नरेंद्र शिवाजी पटेल को दिखानी थी। मगर इस मामले से मोहन सरकार का पक्ष कमजोर ही हुआ है। ***हमने वो दौर भी देखा जब मुख्यमंत्री के पूज्य पिताजी के देहावसान के दारुण दु:ख के ही दिन मोहन यादव ने बिना भावुकता दिखाए ग्वालियर,धार, झाबुआ जिलों की अलग-अलग घटनाओं में बाढ़ पीड़ितों के लिए संवेदना दिखाकर एक प्रशासक के कर्तव्यों का पालन और निर्वहन की मिसाल भी कायम की। यह प्रदेश ऐसे ही नजीरों का सम्मान और दुलार करता है।*** *हो सकता है कि मेरे इस मत से बहुतेरे लोग सहमत न हों,लेकिन आज सत्ता पक्ष के मंत्री वह भी मुख्यमंत्री के कोटे से नामित गृह विभाग का जबाव देने वाले से सदन में ऐसी अपेक्षाएं अनुचित नहीं तो उचित भी नहीं थी। इतिहास ने हमेशा मन और तन से कमजोर नेतृत्व को कभी स्वीकार ही नहीं किया।* ***हमारा इतिहास तो छावा, वीर शिवाजी,रानी लक्ष्मी बाई, अहिल्या बाई जैसे शूरवीरों का है, जिन्होंने शरीर को स्थूल मानकर वचन का पालन करते हुए इतिहास लिख भी दिया और रच भी दिया।*** *फिर तो मंत्री जी - 'दुनिया में कितना गम है और आपका गम तो बहुत कम है।' आपको आठ करोड़ से ज्यादा प्रदेश की जनता के आंखों से आंसू पोछने का सौभाग्य मिला है न कि खुद के आंसू दिखाकर भावुक करने का प्रयास करने के लिए। वैसे भी आप पटेल अकेले नहीं है, नाम के आगे नरेंद्र और फिर शिवाजी भी लगा है।लिहाजा आप और आप जैसे अन्य जनप्रतिनिधियों से संवेदना की अपेक्षा है भावुकता की कतई नहीं।*

पोंछ के आंसू झाड़ के दामन चल तो सही मंजिल हैं हजारों
हंस के जरा दुनिया पे नजर कर चाहत के काबिल हैं हजारों

कलेक्टर की पहल : गरीब छात्रों को मिलेंगी सस्ती किताबें

जबलपुर। जिले में छात्रों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए एक अनूठे पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलेक्टर के नेतृत्व में 25 मार्च से गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक में इस पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले की खास बात यह है कि इसमें एक विशेष बुक बैंक की स्थापना भी की जाएगी जहां जरूरतमंद छात्रों को पुस्तकें मिलेंगी। जबलपुर में लगभग चार लाख छात्र हैं। इनमें से दो लाख से अधिक छात्र प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं। छात्रों की परीक्षा होने के बाद इनकी पुरानी किताबें आमतौर पर रद्दी में बेच दी जाती हैं। यदि ये किताबें एकत्रित कर ली जाएं तो वे जरूरतमंद बच्चों के काम आ सकती हैं। इस मेले में जो बुक बैंक बनेगा वहां इन किताबों को एकत्रित करने का काम किया जा रहा है।जबलपुर में पिछले साल भी ऐसे पुस्तक मेले का आयोजन किया गया था। हमारा उद्देश्य है कि छात्रों और अभिभावकों को एक ही जगह पर कम दरों पर पुस्तकें, कॉपियां और स्कूल की सामग्री उपलब्ध हो सके। किसी भी प्रकार की ऐसी कोई गतिविधि न हो कि उन्हें एक ही जगह से पुस्तकें, कॉपियां खरीदने के लिए बाध्य किया जाए या किताबों का अधिक मूल्य उनसे लिया जाए। इसलिए पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है।यह पुस्तक मेला शहीद स्मारक पर 25 मार्च से 5 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का मकसद है कि सभी छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक अपनी जरूरत की पुस्तकें, कॉपियां और स्कूल की अन्य सामग्री सस्ते दामों पर खरीद सकें। मेले में किस-किस स्कूल के कैंप लगाए जाएंगे, इस सवाल के जवाब में जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि स्कूल के कैंप नहीं लग रहे हैं। पुस्तक, कॉपी विक्रेता, अन्य स्टेशनरी सामग्री जैसे- बैग, पेन आदि और अन्य जरूरी चीजों के विक्रेताओं के स्टॉल होंगे।

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में लगेंगी 19 नई फैक्ट्रियां : सीएम डॉ. यादव

चंबल अंचल में उद्योगों की सौगात से पूरे क्षेत्र का नया इतिहास लिखा जाएगा

मध्य स्वर्णिम

ग्वालियर। जिले के दौरे पर आए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में 19 नई फैक्ट्रियां स्थापित करने का ऐलान किया। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव के समय ग्वालियर आया था,उसके बाद रोजगार आने शुरू हो गए है.मुख्यमंत्री ने कहा, चंबल अंचल में उद्योगों की सौगात से पूरे क्षेत्र का नया इतिहास लिखा जाएगा।

यहां नए-नए प्रकार के उद्योगों की भूमि पूजन के सिलसिले जारी रहेगी और औद्योगिक फैक्ट्रियों को लोकार्पण भी जल्द ही होगा. ग्वालियर दौरे पर आए इस दौरान ग्वालियर में पार्षद अनिल सांखला और विधायक प्रीतम सिंह लोधी के निवास पर भी गए. प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री मोहन ने पिछले दिनों देश-विदेश में काफी दौरा किया है. निवेश को बढ़ावा देने के लिए भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का भी आयोजन किया गया था, जिसमें

25,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए और 60 से अधिक देशों से आए 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने शिरकत किया। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दो दिनों तक चले ग्लोबल इन्वेटर्स समिट 2025 में अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मध्य प्रदेश में 2 लाख 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया. अदाणी ग्रुप रीवा और जबलपुर के क्षेत्र में खनिज सेक्टर में निवेश करेगा. इससे लगभग 1 लाख नए रोजगार पैदा होंगे।

सीएम मोहन ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र उद्योग की संभावनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि हमने उद्योग और रोजगार वर्ष मनाने का निर्णय लिया है, जिसके तहते ग्वालियर-चम्बल क्षेत्र 19 औद्योगिक फैक्ट्रियां आ रही है. इनमें ग्वालियर में 7, मुरैना 11 औरर भिंड में 1 फैक्टरी स्थापित होंगी.मीडिया से मुखातिब सीएम मोहन ने कहा कि पूरे ग्वालियर-चंबल क्षेत्र ही नहीं, पूरे प्रदेश के अंदर उद्योग और रोजगार के माध्यम से सुदृढ़ीरण बनाना हैं, बेरोजगारों को रोजगार देना है।

हमारा जीवन वनों से ही संभव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा जीवन वनों से ही संभव है। प्रदेश की वन भूमि जैव विविधता और हरियाली से परिपूर्ण है। वन, शुद्ध हवा के लिए पृथ्वी के फेफड़ों के समान है। प्रदेश की भूमि असंख्य वन्य जीवों का आश्रय स्थल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को 'विश्व वानिकी दिवस' पर वनों के संरक्षण की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रदेशवासियों से वनों के संरक्षण और उनके संवर्धन का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपने का संकल्प लेने का भी प्रदेशवासियों से आह्वान किया।

तीसरी आंख

कांग्रेस ने विकास निधि में लगाया भेदभाव का आरोप

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधायकों को दी जाने वाली विकास निधि पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सवाल खड़ा किया है। जिसके बाद इस मुद्दे पर प्रदेश में सियासी तकरार बढ़ गई है। पटवारी ने कहा कि विकास निधि देने में बीजेपी भेदभाव कर रही है। वहीं बीजेपी की कहना है कि हम 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति से चल रहे हैं।पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने इस मामले को लेकर सीएम मोहन यादव को लेटर लिखा है। वहीं कांग्रेस के विधायक और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने आरोप लगाया है कि सरकार विधायक निधि देने में भेदभाव कर रही है। इस मामले को जयवर्धन सिंह ने विधानसभा में भी उठाया। जयवर्धन सिंह ने कहा कि मोहन यादव जैसे ही मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने भाजपा विधायकों के साथ बैठक की थी। उसमें उन्होंने आश्वासन दिया था कि हर भाजपा विधायक को वर्ष 2024-25 में 15 करोड़ की राशि दी जाएगी। अब फिर 15 करोड़ देने की बात आ रही है।

सवाल उठता है कि क्या मुख्यमंत्री सिर्फ भाजपा के हैं? क्या जो विधायक विपक्ष में हैं, वे प्रदेश के नहीं हैं। हमारा अधिकार है और हमें भी क्षेत्र के विकास के लिए 15 करोड़ रुपए मिलना चाहिए।

कुत्तों ने दो साल की मासूम को बनाया शिकार

इंदौर। पंचकुइया राम मंदिर परिसर में 19 मार्च को एक दर्दनाक घटना घटी, जब दो साल की बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। बच्ची को घसीटा जाने लगा, उसकी आंख पर एक कुत्ते ने हमला किया और दूसरे कुत्ते ने उसके सिर को बुरी तरह फाड़ दिया। मासूम की चीखें सुनकर उसकी मां दौड़ी और कुत्तों से भिड़ गई। मां ने एक कुत्ते के जबड़े से बच्ची का सिर निकाला और उसे संभालते हुए कुत्तों को भगाने की कोशिश की, इस दौरान वह भी घायल हो गई। वहां मौजूद अन्य लोगों ने कुत्तों को पत्थरों और डंडों से भगाया। बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने 35 टांके लगाए। अब उसकी हालत खतरे से बाहर है, लेकिन ठीक होने में एक माह का समय लगेगा।घटना के बाद बच्ची के माता-पिता उसे पहले छत्रीपुरा स्थित शिवम हॉस्पिटल ले गए, लेकिन वहां डॉक्टर नहीं थे।

घर से नकदी मिलने के बाद जज पर कार्रवाई

मध्य स्वर्णिम

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ एक रिपोर्ट आने के बाद उन्हें उनके मूल उच्च न्यायालय इलाहाबाद में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को उनके स्थानांतरण की सिफारिशें कीं। न्यायमूर्ति वर्मा ने अक्तूबर 2021 में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले हफ्ते होली की छुट्टियों के दौरान उनके सरकारी बंगले में बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी मिलने के बाद यह फैसला लिया गया।

यह धनराशि उस समय मिली जब इमारत में आग लग गई और न्यायाधीश के परिवार के सदस्यों ने- जो उस समय शहर में नहीं थे- आपातकालीन सेवाओं को फोन किया। उन्होंने फिर पुलिस को बुलाया।इस मामले में एक वरिष्ठ वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर से कथित 'भारी मात्रा में नकदी बरामदगी मामले में कार्रवाई की अपील की है।

T बुरा न मानों TRENDING है...

पिघल गई बर्फ अब टीम वर्क

इन दिनों प्रदेश में एक महकमा काफी चर्चा में है,महकमे के माननीय की काफी पूछ परख भी होने लगी है। इसका असर विभाग के कामों में दिखाई देने लगा है। दरअसल महकमा काफी वजनदार है,लेकिन कोई एक -डेढ़ महीने पहले तक माननीय की अपने सीनियर अफसर से पटरी नहीं बैठने की खबरें आ रही थीं। लेकिन पिछले कुछ अर्से से मंत्री जी काफी खुश दिखाई दे रहे हैं। इसका असर विभाग के काम काज पर भी पड़ा है। अब तो माननीय दिल खोलकर अपने वरिष्ठ अधिकारी की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। बर्फ पिघलाने में माननीय के पुराने सम्बन्ध काम में आए और एक सीनियर नौकरशाह की इसमें बड़ी भूमिका थी। ये नौकर शाह और माननीय की अफसर के बीच में बड़े नजदीकी रिश्ते हैं। लिहाजा बर्फ पिघलने के बाद अब टीम वर्क से काम हो रहा है।

● अय्यार

राजनीति | **राज्यसभा में गरजे अमित शाह, आतंकवाद पर बोला करारा हमला**

हमनें आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया: शाह

मध्य स्वर्णिम

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद पर करारा हमला बोलते हुए सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र किया। उन्होंने अनुच्छेद 370 समेत तमाम मुद्दों पर कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरा।

उन्होंने कहा कि चार दशक से देश में तीन नासूर थे, पहला- आतंकवाद, दूसरा- नक्सलवाद और तीसरा- पूर्व उग्रवाद। हमने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। अमित शाह ने कहा कि मैं इस सदन

में जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि इस देश में नक्सलवाद 21 मार्च 2026 तक समाप्त हो जाएगा।अमित शाह ने कहा, '21 सदस्यों ने सदन में अपने विचार रखे।

एक तरह से गृह मंत्रालय के अनेक कार्यों के आयामों को समेटने का प्रयास किया गया। सबसे पहले मैं उन हजारों राज्य पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सीमाओं को मजबूत करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।'

सरकार के विकास कार्य गिनाते हुए शाह विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जो काला चश्मा पहनकर आंखें मूंदकर बैठे हैं, उनको विकास के नजारे नहीं दिखाए जा सकते। एक सांसद कश्मीर गए। वहां कार्यकर्ताओं के साथ बर्फ के साथ खेले भी।

उन्होंने कहा कि उन्हें दूर से आतंकी दिखाई दिया। आगे उन्होंने कहा कि नजर में ही आतंकी है तो आपको सपने में भी वही आएगा। हम तो दिखाई देते ही दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं।

हमारी सरकार न तो आतंक को बर्दाश्त कर सकती है और न ही आतंकियों को। आतंकियों के लिए देश में कोई जगह नहीं है। अमित शाह ने कहा, '...जब 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई, तो हमें 2014 से पहले की कई विरासत की समस्याएं मिलीं।

शांति और सुरक्षा के लिए पाक सबसे बड़ी बाधा

मध्य स्वर्णिम

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बार फिर पाकिस्तान को जमकर खरी-खोटी सुनाई। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान मंत्रालय ने पड़ोसी मुल्क को उसका असली चेहरा भी दिखाया। इस दौरान चीन, अमेरिका और रूस-यूक्रेन जंग पर भी सवालों के जवाब दिए।

जब विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर पाकिस्तान उच्चायोग में आयोजित इफ्तार रात्रिभोज में किसी भारतीय सरकारी अधिकारी को आमंत्रित किया गया था? तो उन्होंने कहा कि निमंत्रण तो रिश्तों पर निर्भर करता है ना...।पाकिस्तान पर रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, '...दुनिया स्पष्ट रूप से जानती है कि असली मुद्दा पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना और प्रायोजित करना है। वास्तव में यह क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है।' अमेरिका पर बात करते हुए विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

खिरसाडोह में एनएसएस छात्राओं ने निकाली रैली

परासिया। परासिया के शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई ने खिरसाडोह में शुक्रवार को रैली निकाली। स्कूल परिसर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। खिरसाडोह में एनएसएस ने सात दिनों के शिविर का आयोजन किया है। शुक्रवार को शिविर का दूसरा दिन था। खिरसाडोह में कन्या शिक्षा परिसर में शिविर लगाया गया है। प्राचार्य स्वर्ण कुमारी सिंह, कार्यक्रम अधिकारी ममता कराडे के नेतृत्व में छात्राओ ने रैली निकाली। प्रभारी प्राचार्य गुन्हेरे, जावरे, एनएसएस सहयोगी भाग्यश्री मिश्रा कार्यक्रम मे उपस्थित रहे। ममता कराडे ने बताया कि प्रतिदिन रैलियां की जाएंगी। स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे और स्वच्छता के प्रति जागरुकता के कार्यक्रम शिविर में होंगे। शनिवार को डा बंदना सिंह छात्राओं के बीच पहुंचकर दांतो की जांच कर दांतो को स्वस्थ रखने की जानकारी देंगी। उन्होंने बताया कि छात्राओं ने गांव में सर्वे कार्य भी किया है।

विष्णुपुरी कोयला खदान में प्रबंधन पर बरसा एटक, नारे लगाए

परासिया। वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड पेंच एरिया की विष्णुपुरी कोयला खदान में मजदूर संगठन एटक ने स्ट्राईक नोटिस दिया है। शुक्रवार को एटक पदाधिकारियों ने खदान में एकत्रित होकर नारेबाजी की। प्रबंधन ने एटक के पदाधिकारियों को वार्ता के लिए आमंत्रित किया। खबर लिखे जाने तक बैठक जारी थी। एटक के महासचिव रामकेरा यादव ने बताया कि विष्णुपुरी कोयला खदान को लेकर प्रबंधन के साथ एटक के मतभेद उभरे । एटक ने प्रबंधन को बारह मार्च को स्ट्राईक नोटिस दिया है। रोजाना खदान में नारे लगाए जा रहे है। प्रबंधन पर पक्षपात करने, अनफेयर लेबर प्रेक्टिस करने सहित कई आरोप लगाए है। स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर की मांगे प्रस्तुत की गई हैं। शुक्रवार को प्रबंधन ने वार्ता के लिए बुलाया। वार्ता देर शाम तक जारी रही।

आशा कार्यकर्ताओं ने दिया ज्ञापन, मानदेय नहीं देने पर दी आंदोलन की चेतावनी

रायसेन। आशा कार्यकर्ताओं ने आयुष्मान कार्ड बनाने के बदले मिलने वाले मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन कर डिप्टी कलेक्टर मनीष शर्मा को ज्ञापन सौंपा। आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि 20 सितंबर 2024 से वे आयुष्मान कार्ड बनाने का काम कर रही हैं। पांच महीने बीतने के बाद भी मानदेय नहीं मिला। आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। महंगाई के दौर में 10 हजार रुपये महीने में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में आशा कार्यकर्ता कृष्णा ठाकुर,प्रतिभा शुक्ला,लक्ष्मी सेन,सविता देवी सहित कई महिलाएं मौजूद थी।

शीतला सप्तमी पर माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने किया भजन-कीर्तन, माता मंदिर में लगाया ठंडे खाने का भोग

रायसेन। शहर के वार्ड सात स्थित माता मंदिर में धूमधाम से मनी शीतला सप्तमी पर माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने परंपरा के अनुसार माता शीतला को ठंडे खाने का भोग लगाया।

तोप की आवाज सुनकर रोजेदार खोलते हैं रोजा,12 गांवों सुनाई देती है तोप की गूंज

नवाबी काल से चली आ रही परंपरा, आज भी किले से चलती है तोप

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

जिले में रमजान के दौरान एक ऐतिहासिक परंपरा निभाई जाती है। यहां आज भी रोजादारों को सेहरी और इफ्तार का समय बताने के लिए तोप दागी जाती है। ये परंपरा करीब 200 साल पुरानी है और नवाबी शासनकाल से चली आ रही है। जो आज भी जारी है। करीब 200 साल पहले,जब रायसेन किले पर राजा और नवाबों का शासन था, तब सेहरी और इफ्तार की सूचना देने के लिए तोप दागने की शुरुआत हुई।

1936 में भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्लाह ने बड़ी तोप की जगह एक छोटी तोप चलाने का आदेश दिया, क्योंकि बड़ी तोप की गूंज से किले को नुकसान पहुंच रहा था। किले से दागी जाने वाली तोप की आवाज लगभग 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई देती है। यह परंपरा न केवल रायसेन शहर,बल्कि आसपास के करीब12 गांवों के रजादारों के लिए भी समय की सूचना का माध्यम है। जो तोप चलने के बाद रोजा अफ्तार करते है।

बल्ब जलाकर दिया जाता है सिग्नल: तोप चलाने से पहले टांके वाली मरकज मस्जिद से बल्ब जलाकर सिग्नल दिया जाता है। इसके बाद किले की पहाड़ी से तोप दागी जाती है। तोप चलाने में करीब आधे घंटे की तैयारी लगती है। रमजान खत्म होने के बाद तोप की सफाई कर इसे सरकारी गोदाम में जमा कर दिया जाता है। तोप चलने का समय रोज बढता है,जिससे लोगों को भी रमजान में चल रहें रोजों को लगता जाता है।

एक परिवार पीढ़ियों से निभा रहा जिम्मेदारी

शहर में एक परिवार पीढियों से निभाता आ रहा जिम्मेदारी। तोप चलाने की जिम्मेदारी शाखावत खान और उनके परिवार के पास है। शाखावत बताते हैं, हमारे पुरखे सदियों से ये काम करते आ रहे हैं। पहले हमारे परदादा, फिर दादा,पिताजी और चाचा ने यह जिम्मेदारी निभाई। अब मैं और मेरा छोटा भाई शाहिद पिछले 27 सालों से यह परंपरा निभा रहे हैं।

पंडित राजेश शर्मा चार-धाम की पैदल-यात्रा पर निकले

रायसेन। शहर के कलेक्ट्रेट कॉलोनी वार्ड नंबर 4 के निवासी पंडित राजेश शर्मा राजू महाराज ने शुक्रवार को चारों धाम की पैदल यात्रा शुरू की। उन्होंने तहसील कार्यालय मंदिर प्रांगण में पूजा-अर्चना के बाद हरिद्वार,ऋषिकेश,गंगोत्री,यमनोत्री,केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा के लिए प्रस्थान किया। इस मौके पर श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष अनिल चौरसिया ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। पंडित शर्मा धार्मिक यात्राओं के अनुभवी हैं। वे पहले ही दो बार नर्मदा परिक्रमा कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मैहर,अयोध्या और प्रयागराज कुंभ की पैदल यात्राएं भी की हैं। उन्होंने रायसेन से नर्मदा जी के घाट तक पिंड भरते हुए एक महीने में यात्रा पूरी की। वे जिले के पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने इतने धार्मिक स्थलों की पैदल यात्रा की है। यात्रा के दौरान उन्होंने सभी के सुख,शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

चांदामेटा निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर की सड़क हादसे में मौत

शव इंदौर से चांदामेटा लाकर किया अंतिम संस्कार

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

चांदामेटा निवासी राहुल उर्फ सैंकी वस्त्राणे की इंदौर में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। अंतिम संस्कार शुक्रवार को चांदामेटा स्थित मोक्षधाम में किया गया। चांदामेटा वार्ड नंबर 7 पुलिस थाने के सामने निवास करने वाले पूर्व पार्षद सिविल इंजीनियर कुंवरलाल वस्त्राने के बड़े पुत्र 37 वर्षीय राहुल उर्फ शैंकी वस्त्राणे इंदौर में मल्टीनेशनल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद परकार्यरत थे। बुधवार रात्रि वे अपने एक साथी राहुल के साथ बाइक पर सवार होकर इंदौर के कनाड़िया ब्रिज से गुजर रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सिर पर गंभीर चोटें आई । उन्हें अस्पताल ले जाया गया । चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। साथी राहुल का उपचार जारी है। कनाड़िया पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। बुधवार रात्रि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही वस्त्राणे परिवार इंदौर के लिए रवाना हुआ। इंदौर पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों के सुपुर्द किय। वार्ड क्रमांक सात स्थित मोक्षधाम में परिजनों एवं इष्टमित्रों सहित नगर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में अंत्येष्टि की गई। परिजनों ने बताया कि शैंकी पिछले सप्ताह होली में घर आए हुए थे और 2 दिन पहले ही इंदौर गए हए थे।

नगर पालिका अध्यक्ष ने नलकूपों का किया निरीक्षण

गर्मियों में पानी की व्यवस्था बनाने दिए निर्देश

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने शुक्रवार को खिरसाडोह के नलकूपों का निरीक्षण किया। इंजिनियर राजेंद्र सोनी के साथ नलकूपों का निरीक्षण कर उन्होंने गर्मियों में पानी की व्यवस्था बनाने निर्देश दिए। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने बोर में मोटर डालने, नए पैनल लगाने और कुछ बोर में तार खींचने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि नगर पालिका के न्यूटन बांध का कैचमेंट एरिया बेहद कम है। इस बांध में पानी खत्म होने की कगार पर है। इसलिए पूरी व्यवस्था खिरसाडोह के नलकूपों पर निर्भर होगी। खिरसाडोह में बारह नलकूप है। इन नलकूपों में भी पानी कम हो गया है। नगर पालिका अध्यक्ष ने बोर में पाईप बढाने के निर्देष दिए जिससे पानी बढे। इसके अलावा दो बोर में मोटर डालने के लिए कहा। तत्काल बोर में मोटर डालने का काम शुरू हो गया है। चार बोर में पैनल डालने और दो बोर में तार खींचने के निर्देश दिए गए।

नगर पालिका के जल प्रभारी असद खान इस दौरान उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने कहा कि इस बार गर्मियों से पहले बारिश नहीं हुई है। जिससे परेशानियां बढने के आसार है। इसलिए गर्मियों में परेशानियों को कम करने निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए।

आरडीपीएस के छात्र धीरज खाकरे ने गेट में हासिल की ऑल इंडिया रैंक 99

आईआईटी खड़गपुर में मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर में मिलेगा एडमीशन

गेट-2025 में शामिल हुए थे 6 लाख 53 हजार 292 परीक्षार्थी

बैतूल (मध्य स्वर्णिम)।

बैतूल। प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में पास आउट मेधावी छात्र धीरज खाकरे ने "ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग" गेट 2025 परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक हासिल कर बैतूल का नाम गौरान्वित किया है। गेट 2025 परीक्षा में देश भर के 6 लाख 53 हजार 292 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। ऑल इंडिया रैंक 99 हासिल करने पर धीरज खाकरे को राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिनाम तकनीकि संस्थान आईआईटी खड़गपुर में मॉस्टर ऑफ आर्किटेक्चर एण्ड प्लानिंग में एडमीशन होना तय माना जा रहा है।

आईपीएस कॉलेज इंदौर में है अध्ययनरत

गेट 2025 में 99 ऑल इंडिया रैंक हासिल करने वाले मेधावी छात्र धीरज मोती वार्ड न्यू बारस्कर कालोनी बैतूल निवासी सिविल कांट्रेक्टर दिनेश खाकरे एवं श्रीमती अनिता खाकरे के सुपुत्र है। धीरज आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक अध्ययनरत रहे। वर्तमान में वे आईपीएस कॉलेज इंदौर में बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है।

धीरज खाकरे की इस उत्कृष्ट सफलता के लिए जिले के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों, आर.डी.पी.एस. बैतूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल, प्राचार्य, शिक्षकों, परिजनों, समाजिक बंधुओं, ईष्टमित्रों ने उन्हें बधाई देकर उज्जवल भविष्य के लिए कामना की है।

इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने बंद किया मोबाइल

पोस्टमार्टम के लिए परेशान हुए परिजन

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

उमरेठ के युवक के पोस्टमार्टम के लिए आज परिजनों को परेशान होना पड़ा युवक की मौत गुरुवार रात सड़क दुर्घटना में हुई थी ।शुक्रवार को सुबह 10 बजे अस्पताल स्टाफ ने चिकित्सक को फोन लगाया ।महिला चिकित्सक ने फोन नहीं उठाया। बाद में मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। महिला चिकित्सक की लापरवाही के कारण अपने जवान बेटे के के पोस्टमार्टम के लिए परिजन परेशान हुए ।

उमरेठ के 20 साल के युवक सुभाष मवासी की उमरेठ में ही सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी ।शुक्रवार को सुबह शव का पोस्टमार्टम किया जाना था ।डॉक्टर शबनम खातून की ड्यूटी थी। अस्पताल स्टाफ ने पोस्टमार्टम के लिए उन्हें फोन किया ।उन्होंने फोन नहीं उठाया। बाद में उन्होंने फोन स्विच ऑफ कर लिया ।खास बात है कि चिकित्सकों की ड्यूटी रोस्टर में साफ लिखा है कि कोई भी चिकित्सक अपना मोबाइल बंद नहीं करेगा। इसके बाद भी चिकित्सक ना फोन रिसीव करते हैं ना मोबाइल चालू रखते हैं।

इससे इमरजेंसी ड्यूटी में परेशानी होती है। डॉक्टर शबनम खातून को इससे पहले भी बीएमओ द्वारा नोटिस दिया जा चुका है ।आज उन्होंने फिर वही दोहराया ।बीएमओ डॉक्टर शशी अतुलकर को मामले की सूचना दी गई ।इसके बाद उन्होंने अन्य चिकित्सक की व्यवस्था कर शव का पोस्टमार्टम कराया ।गौरतलब है मृतक सुभाष की मौत सड़क दुर्घटना में रैनी मेले से वापस लौटते समय हुई थी ।मृतक की मां का बचपन में ही देहांत हो गया था ।उसके पिता विकलांग है।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया जिला जेल का औचक निरीक्षण

जेल में क्षमता से अधिक बंदी, कार्यवाही के लिए जेल अधीक्षक को किया निर्देशित

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

शुक्रवार को प्रधान जिला न्यायाधीश अनिल कुमार सोहाने द्वारा जिला जेल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश अनिल कुमार सोहाने द्वारा जेलों के लिए बनाए गए सभी नियमों, विनियमों, निर्देशों और आदेशों का पालन विधिवत किया जा रहा है तथा उन्हें लागू किया जा रहा है या नहीं, इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस दौरान जिला जेल में संचालित लीगल एड क्लीनिक एवं पुरुष एवं महिला बैरकों का भी निरीक्षण कर बंदियों को प्राप्त होने वाली मूलभूत सुविधाएं यथा रसोई घर, पीने के पानी, बैरकों में साफ-सफाई, बंदियों के स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं, भोजन व्यवस्था इत्यादि का भी जायजा लिया गया व आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए।

जेल में क्षमता से अधिक बंदी निरुद्ध

निरीक्षण के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि जेल में कुल 186 दंडित एवं विचाराधीन बंदी निरुद्ध हैं जिनमें से 170 पुरुष एवं 16 महिलाएं हैं जबकि जेल में बंदियों हेतु क्षमता 150 बंदियों की हैं। जेल में क्षमता से अधिक बंदी निरूद्ध है। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान दो बंदी ऐसे पाये गए जिनकी प्रकरणों में अधिवक्ता उपलब्ध नहीं थे। जिस पर तत्काल जेल लीगल एड क्लीनिक नामांकित पैरालीगल वालेंटियर्स के माध्यम से नियमानुसार आवेदन पत्र लिया और उन्हें निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराये जाने की कार्यवाही की गयी। बंदियों से पृथक-पृथक व्यक्तिगत रूप से उनकी समस्याओं को जाना और निःशुल्क विधिक सहायता योजना के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर श्रीमती हर्षिनी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण , अनीस उद्दीन अब्बासी जिला विधिक सहायता अधिकारी, आरके चौरे जेल अधीक्षक मौजूद थे।

मीणा समाज ने आयोजित किया होली मिलन समारोह, जिला कार्यकारिणी का किया गठन

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

विगत दिवस मीणा समाज सेवा संगठन ने होली मिलन समारोह कार्यक्रम गोपाल कृष्ण गौशाला पर संपन्न हुआ,इस अवसर पर संगठन की जिला कार्यकारिणी, मंडल कार्यकारिणी का विस्तार कर संगठन के पदाधिकारियो को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिले के 100 कार्यकर्ताओं को मीना समाज सेवा संगठन में और 80 नियुक्तियां युवा मीणा समाज सेवा संगठन जिला रायसेन में की गई। जिले के सभी तहसीलों में तहसील अध्यक्ष नियुक्त किए।

आगामी 2 अप्रैल को मीणा समाज सेवा संगठन के नेतृत्व में मीणा समाज के आराध्य देव भगवान मत्स्य का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाने विचार विमर्श कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर समाज के संगठन प्रदेश उपाध्यक्ष मलखान सिंह मीणा,संगठन प्रदेश मंत्री दिवान सिंह मीणा,प्रदेश सदस्य दातार मीणा,सुल्तानपुर नगर परिषद अध्यक्ष हेमराज मीणा,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा,सोनू मीणा, दीपेश मीणा,संगठन जिला अध्यक्ष मिट्ठूलाल मीणा, युवा जिलाध्यक्ष माधव मीणा, भगवान सिंह मीणा, लीलाकिशन मीणा, भगवान सिंह मीणा, बाबूलाल मीणा,किशन सिंह मीणा आदि मौजूद थे।

डंपर ने स्कॉर्पियो को मारी टक्कर, 5 लोग घायल, कोयले से भरा डंपर पलटा

रायसेन। भोपाल रोड़ पर स्थित सेहतगंज सोम फैक्ट्री आ रहे कोयले से भरे डंपर ने शुक्रवार तेरहवीं कार्यक्रम से लौट रहे एक परिवार की स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। इस हादसे में डंपर पलट गया स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्कॉर्पियो में सवार पांच लोगों को सिर हाथ और पैर में चोटें आई। घायलों में स्कॉर्पियो चालक तरुण,संतोष मीणा,विनोद मीणा,कालू मीणा और कुलदीप मीणा शामिल हैं। सभी घायलों को टोल टैक्स की एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद चालक तरुण ने अस्पताल से अपने बेटे को फोन कहा मेरा एक्सीडेंट हो गया है, चिंता मत करना। मम्मी से बोल देना मैं लेट घर पहुंचूंगा।

एक्सीडेंट के बाद लगा जाम पुलिस ने खुलवाया

तरुण ने बताया कि वे रायसेन के रतनपुर में ओमप्रकाश मीणा के यहां तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होकर होशंगाबाद लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही खरवाई चौकी प्रभारी नागेंद्र सिंह परिहार और आरक्षक जितेंद्र नरवरिया मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हादसे के बाद सड़क पर दोनो तरफ वाहनो की लंम्बी-लंम्बी लाईन लगने से जाम लग गया था। मौके पर पुलिस ने पहुंच का जाम खुलवाया। और घायलों को जिला अस्पताल रवाना किया। वही डंपर को क्रेन मशीन से साइड में किया गया।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

मैरिज गार्डन में चल रही बर्थडे पार्टी में डांस के दौरान महिला का नैकलेस चोरी

भोपाल। खजूरी सड़क स्थित एवर ग्रीन मैरिज गार्डन में आयोजित बर्थडे पार्टी में शामिल होने आई एक महिला का नैकलेस चोरी हो गया। घटना करीब चार महीने पुरानी है, जिसमें अब जाकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। घटना उस समय हुई जब महिला अपने परिचितों के साथ पार्टी में डीजे पर डांस कर रही थी। थाना पुलिस के अनुसार गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित इंद्र विहार कॉलोनी में रहने वाली अंजु करसाली पति धर्मदास करसाली (52) ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की वह हॉउस वाइफ है। उनके पति धर्मदास एमपीईबी में नौकरी करते हैं। उनकी बेटी हर्षिता करसाली महाराष्ट के जलगांव में रहती है। बीते दिनो बेटी हर्षिता माता-पिता के पास आई हुई थी। 8 नवंबर, 2024 को अंजु अपने परिवार सहित खजूरी सड़क स्थित एवर ग्रीन मैरिज गार्डन में आयोजित एक रिश्तेदार की बर्थडे पार्टी में शामिल होने गई थी। पार्टी में डीजे पर अन्य लोगो के साथ बेटी हर्षिता करसाली डांस कर रही थी, इसी दौरान हर्षिता के गले से नैकलेस चोरी हो गया। परिवार वाले शिकायत करने पहले गांधी नगर फिर खजूरी सड़क थाना पुलिस के पास पहुंचे थे। लेकिन, सीमा विवाद को लेकर थाना पुलिस जांच में टाल मटोल करती रही। परेशान पीड़ित परिवार ने अफसरों से कई बार शिकायत की। जिसके बाद अब जाकर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। अभी भी पुलिस चोरी गए नैकलेस की कीमत नहीं बता पा रही है।

बाइक सवार बदमाश ने की महिला के गले से चेन झपटने की कोशिश

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश द्वारा महिला के गले से चेन झपटने का प्रयास किये जोन का मामला सामने आया है। घटना में बदमाश के नाखून महिला ता के गले में भी लगे हैं। पुलिस ने इस अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। छानबीन के दौरान सामने आया की कॉलोनी के एंट्री गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में संदिग्ध बदमाश का हुलिया कैद हुआ है, जिसके आधार पर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र स्थित बिजली कॉलोनी में रहने वाली शैलश्री पटनायक पति रामजी पटनायक (54) घरेलू महिला है। महिला बीते दिन शाम करीब सात बजे घर के बाहर टहलने के लिये निकली थी। टहलते हुए जैसै ही वह दीप मोहनी कॉलोनी के एंट्री गेट के पास पहुंची तभी पीछे से आये एक बाइक सवार बदमाश ने उनके गले में पहनी सोने की चेन झपटने का प्रयास किया। उसने हाथ से चेन को ले जाने से बचा लिया। इसके बाद आरोपी वहॉ से फरार हो गया। इसके बाद शैलश्री पटनायक अपने भाई को लेकर शिकायत दर्ज कराने पुलिस के पास पहुंची। पीड़िता ने बदमाश का हुलिया भी पुलिस को बताया है। पुलिस संदेही की बाइक नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है।

पुलिसकर्मी कि बेटी ने खुद को आग लगाई, सात दिन बाद तोड़ दिया दम

भोपाल। पुराने शहर के हनुमान गंज थाना इलाके में रहने वाली एक युवती ने खुदखुशी का प्रयास करते हए शरीर पर केरोसीन डालकर आग लगा ली। आग लगने से युवती करीब 70 प्रतिशत झूलस गई थी, उसे नाजूक हालत में उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहॉ करीब सात दिन चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। मर्ग कायम कर पुलिस हादसे के कारणो की जॉंच में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय पूनम रघुवंशी एक प्राइवेट बैंक में जॉब करती थी। उसके पिता पुलिस विभाग में है, और भोपाल के ही थाने में हवलदार के पद पर पदस्थ है। बताया गया है की 16 मार्च सुबह करीब साढ़े 10 बजे पूनम ने घर पर आत्महत्या की कोशिश करते हुए खुद पर केरोसिन डालकर आग लगा ली थी। परिजनो ने जैसै-तैसे उसे आग की चपेट से छुड़ाते हुए इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था, जहॉ उसका इलाज जारी था। हादसे में लगभग 70 प्रतिशत झुलसी पुनम की हालत इलाज के दौरान लगातार नाजूक होती गई आखिरकार बीते दिन उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया है। जॉच टीम का कहना है कि फिलहाल घटना के कारणो का खुलासा नहीं हो सका है, पुलिस परिजनो के बयान दर्ज करने के साथ ही अन्य बिंदुओ पर भी जांच कर रही है।

शादी के चार महीने बाद ही महिला डॉक्टर की संदिग्ध हालत में कमरे में मिली लाश

हाथ में इंजेक्शन लगने के निशान, परिजनो को अनहोनी की आंशका

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। चार महीने पहले शादी करने वाली एक महिला डॉक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में ससुराल में मौत हो गई है। महिला डॉक्टर के हाथ में इंजेक्शन का निशान मिला है। इससे पुलिस यह मानकर चल रही है कि जहर के इंजेक्शन से मौत हुई है।

लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला डॉक्टर ने जहर का इंजेक्शन लगाकर खुदकुशी की है या उसे किसी ने जहर का इंजेक्शन देकर हत्या की है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। मृतका के मायके वालों को भी सूचना दे दी गई है। फिलहाल पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। मामले की तफ्तीश में पुलिस उसके पति से पूछताछ कर रही है।

शाहपुरा पुलिस के अनुसार डॉ. ऋचा पाण्डेय पति डॉ. अभिजीत पाण्डेय शाहपुरा थाना क्षेत्र के एक कवर्ड कॉलोनी में रहती थी। अभिजीत मूलत- सतना का रहने वाला है और चार माह पहले ही उसकी शादी ऋचा के साथ हुई थी। अभिजीत डेंटल सर्जन है और एमपी नगर में क्लीनिक चलाता है। अभिजीत पाण्डेय ने पुलिस को बताया कि आज शुक्रवार सुबह करीब पौने ग्यारह बजे उसने ऋचा को बिस्तर पर बेसुध हालत में देखा, जिसके बाद उसे लेकर बंसल अस्पताल पहुंचा। एएसआई महेन्द्र चौकसे ने बताया कि बंसल अस्पताल से नवविवाहिता की मौत की सूचना मिली थी।

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो डॉक्टरों ने बताया कि इलाज नहीं किया गया है। चेक करते ही इसे मृत घोषित कर दिया है।

अस्पताल पहुंचने से पहली ही महिला की मौत हो चुकी थी। पुलिस को अभिजीत का प्रारंभिक बयान अटपटा लगा, क्योंकि वह अपने बयान में कह रहा है कि वह पौने ग्यारह बजे सोकर जगा तो ऋचा बेसुध पड़ी थी। अभिजीत यह भी नहीं बताया पा रहा कि ऋचा से उसका कोई विवाद हुआ था या नहीं।

परिजनों का आरोप बेटी की हत्या हुई है

विवेचना अधिकारी एएसआई चौकसे ने बताय कि मृतका के परिजनों ने बताया कि मेरी बेटी एमबीबीएस डॉक्टर थी। बेटी की चार माह पहले ही शादी हुई थी। उसकी हत्या की गई है, क्योंकि वह आत्महत्या नहीं कर सकती। परिजन भोपाल के लिए रवाना हो चुके हैं। परिजनों के सामने ही संभवत- कल सुबह उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पति बार-बार बदल रहा बयान

विवेचना अधिकारी ने बताया कि नवविवाहिता का पति डॉ. अभिजीत पाण्डेय बार-बार बयान बदल रहा है। पहले कहा कि जब मैं जगा तो ऋचा जग रही थी। कुछ देर बाद वह बिस्तर पर बेसुध पड़ी थी। बाद में कहा कि जब मैं जगा तो वह बिस्तर पर बेसुध पड़ी है। जांच में सामने आया कि दोनों रात में अलग-अलग कमरे में सोए थे। सुबह दरवाजा तोड़कर ऋचा के कमरे में पहुंचना बता रहा है। मामला पूरी तरह से संदिग्ध है।

दस रुपये नहीं दिए तो भिखारी ने कर दी हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के सांवेर के चंद्रावतीगंज में एक भिखारी ने दस रुपये नहीं देने पर एक युवक की हत्या कर दी। हत्या के बाद से ही भिखारी फरार था। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। चंद्रावतीगंज में उन्हेंल निवासी प्रकाश पिता दीपाजी दायमा की लाश मिली थी। वह शराब दुकान के पास बैठा था। तभी भिखारी समीर खान आया और प्रकाश से दस रुपये देने का कहने लगा। प्रकाश ने पैसे देने से इनकार कर दिया और भिखारी को बुरा- भला कहने लगा। इस बात पर आरोपी को भी गुस्सा आ गया। उसने जेब से चाकू निकाला और प्रकाश के सीने और पेट पर दो-तीन वार कर दिए। इसके बाद वह भाग गया। प्रकाश को सांवेर के अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को हत्या करने वाले का पता नहीं चल पा रहा था, लेकिन जांच में पता चला कि दुकान के पास भीख मांगने वाला युवक गायब है।

मप्र ट्रांसको के कर्मचारियों की सजगता से टला बड़ा हादसा

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की 132 के.व्ही. रीवा-(जेपी -अल्ट्राटेक) बघवार लाइन के छुहिया घाटी स्थित टावरों से चोरी हुये पार्ट्स (एंगल) का एम.पी. ट्रांसको की ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स टीम ने समय पर पता लगा लिया।

टीम की इस सजगता और सतर्कता के कारण समय रहते क्षेत्र में लंबे विद्युत व्यवधान के साथ घने जंगल में भीषण आग लगने की आशंका को टाला जा सका। यह लाइन न केवल सीमेंट प्लांट को विद्युत आपूर्ति करती है, बल्कि इससे सिल्परा 220 के.व्ही. सबस्टेशन रीवा को भी विद्युत मिलती है। उल्लेखनीय है कि विगत कई माह से इस लाइन के टावर पार्ट्स की चोरी हो रही थी। जिसके कारण उक्त लाइन के क्षतिग्रस्त होने की नौबत आ गई थी, यदि समय पर इन चोरी किये गये टावरों के पार्ट्स के स्थान पर नये पार्ट्स नही लगाये गये होते तो बघवार, पिपरावँ, सरदा, मलगॉव, पटना, धौरहरा क्षेत्र के अनेक गांव के निवासियों को महिनों बिना बिजली के रहना पड़ सकता था।

साथ ही घने जंगलों से गुजरने वाली यह लाइन क्षतिग्रस्त होने पर वृक्षों पर गिरती तो न केवल जंगल में आग लगने का निश्चित खतरा रहता बल्कि इससे बड़े क्षेत्र में जनधन हानि की आंशका पैदा हो जाती। चूंकि इस लाइन के नीचे से अनेक 33 एवं 11 के.व्ही. की लाइने भी गुजरती है जिसके कारण यह लाइनें भी क्षतिग्रस्त होती, जिससे बड़े इलाके में लंबे समय तक विद्युत व्यवधान हो सकता था। ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स की टीम द्वारा उक्त लाइन की लगातार रात्रिकालीन पेट्रोलिंग कराई गई, साथ ही घाटी के आसपास के क्षेत्र में टावर पार्ट्स की तलाशी भी की गई।

डॉक्टर के सूने मकान से लायसेंसी बंदूक, 30 जिंदा कारतूस सहित नगदी चोरी

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज थाना इलाके में स्थित पॉश अरेरा कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरों ने डॉक्टर के सूने मकान का ताला चटका कर कीमती माल उड़ा दिया। पुलिस के अनुसार अरेरा कॉलोनी स्थित ई-4 में रहने वाले डॉ राजीव सक्सेना पिता प्रकाश चंद्र सक्सेना (72) ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की वह सेवानिवृत्ति के बाद वो गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित डीआईजी बंगले में क्लीनिक चलाते हैं। उनकी पत्नी और बेटा भी डॉक्टर है।

बेटा डॉक्टर शैवाल सक्सेना जेपी अस्पताल में तैनात हैं, इन दिनो उनकी पत्नि और बेटा एक सेमिनार में भाग लेने के लिये शहर से बाहर गए हुए हैं। जिसके चलते डॉक्टर राजीव सक्सेना फिलहाल घर पर अकेले हैं। बीती सुबह वह अपने मकान में ताला लगाकर क्लीनिक चले गए थे।

इसी बीच उनके सूने मकान का चोरों ने ताला चटका दिया। भीतर घुसे चोरों ने यहॉ रखे सामान की तलाशी ली और 70 हजार की नगद, लायसेंसी बंदूक, 30 जिंदा कारतूस, मोबाइल सहित अन्य कीमी सामान बटोर कर ले गए। शाम को जब डॉक्टर राजीव सक्सेना वापस बंगले पर पहुंचे तब उन्हें चोरो के कारनामे का पता चला।

दोस्त की मौत से सदमे में आये युवक ने जहर खाकर की खुदकुशी

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। पुराने शहर के छोला थानाइ इलाके में स्थित शंकर नगर में रहने वाले एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस का कहना है, की फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट या अन्य सुराग नहीं मिलने आत्महत्या का सही कारण सामने नहीं आ सका है। लेकिन परिजनो ने पुलिस को बताया है कि मृतक युवक बीते दिनो हुई अपने दोस्त की मौत के बाद से काफी तनाव में था। थाना पुलिस के अनुसार संयुक्त् परिवार के साथ रहने वाला चैन सिंह (21) पुत्र अशोक सिंह हम्माली का काम करता था। चैन सिंह ने चार भाइयों में सबसे छोटा था, चार साल पहले अपनी पंसद से नंदनी रावत से शादी की थी। दोनों की तीन साल की बेटी भी है।

उसने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत खराब होने पर परिजन उसे फौरन ही इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ देर चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंप दिया है।

मृतक के परिवार वालो ने शुरुआत में पुलिस को बताया है कि 20 दिन पहले चैन सिंह के करीबी दोस्त ने भी सुसाइड कर लिया था, उसकी अचानक मौत के बाद से चैन सिंह मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगा था। वह अधिकतर अकेला और चुपचाप रहने लगा था, चैन ने अपने दूसरे दोस्तो के साथ ही परिवार वालो से भी बातचीत करना लगभग खत्म सा कर दिया था, और काफी कम बात करता था।

हरियाणा की युवती से राजगढ़ के युवक ने भोपाल की होटल में किया रेप

आरोपी की गिरफ्तारी के लिये जायेगी पुलिस पार्टी

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। राजधानी के बजरिया थाना इलाके में स्थित एक होटल में हरियाणा की युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी युवक राजगढ़ का रहने वाला है, उनकी पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से हुई थी।

पुलिस के अनुसार 23 साल की युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह हरियाणा की रहने वाली है। राजगढ़ जिले के सारंगपुर में हरने वाले आरोपी अरसील से उसकी पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये हुई थी।

प्रायवेट काम करने वाला आरोपी काम के सिलसिले में हरियाणा भी पहुंचा और वहॉ उसकी पीड़िता से मुलाकात भी हुई। बाद में सिंतबर 2024 में आरोपी काम के सिलसिले में भोपाल आया और घुमाने के बहाने युवती को भी भोपाल बुला लिया। यहॉ आरोपी पीड़िता के साथ अस्सी फीट रोड स्थित एक होटल में रुका था। इस दौरान आरोपी ने शादी का वादा कर युवती से उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बना डाले। इसके बाद उसने युवती का कई बार शारीरिक शोषण किया।

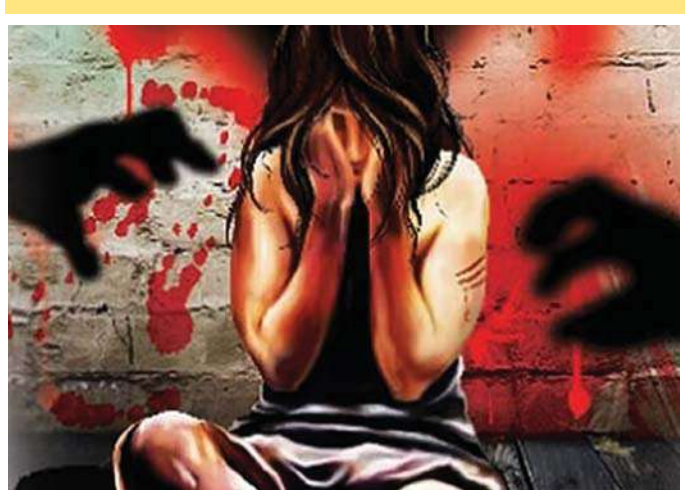

फरवरी 2024 में जब युवती ने उसपर शादी करने का दबाव बनाया तब आरोपी ने उसके साथ शादी करने से साफ इंकार करते हुए उससे दुरियां बना ली। उसके धोखा देने के बाद युवती अपने शहर के स्थानीय थाने में पहुंची लेकिन घटनास्थल भोपाल का होने के कारण वह शिकायत दर्ज कराने बजरिया थाने आई। यहॉ पुलिस ने आरोपी अरसील के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर लिया है, अफसरो का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिये जल्द ही पुलिस टीम राजगढ़ भेजी जायेगी।

कुख्यात अपराधी का शॉर्ट एनकाउंटर

हनुखेड़ा के जंगल में हुई पुलिस और बदमाश की मुठभेड़

मध्य स्वर्णिम

छतरपुर। छतरपुर जिले के गौरिहार थाना इलाके में शुक्रवार को पुलिस ने 9 वर्षीय बच्ची की गोली मारकर हत्या करने वाले कुख्यात आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर कर उसे गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि हनुखेड़ा के जंगल में शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे कुख्यात अपराधी लक्खू उर्फ महेश्वरी दीन राजपूत ने पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी पांच राउंड फायर किए। पुलिस की गोली आरोपी के दाएं पैर के घुटने में लगी, जिससे वह जमीन पर गिर गया और पुलिस की पांच टीमों ने उसे धर दबोचा। घायल आरोपी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से देर शाम हालत गंभीर होने के कारण उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि गौरिहार थाना क्षेत्र में दो दिन पहले गोली मारकर बच्ची की हत्या किए जाने का मामला सामने आया था। घटना के बाद अपराधी फरार थे, जिनकी तलाश पुलिस कर रही थी। शुक्रवार सुबह घटना के मुख्य आरोपी कितपुरा निवासी लक्खू उर्फ महेश्वरी दीन राजपूत के हनुखेड़ा के जंगल में होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीमें मौके पर पहुंची और उससे सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन लक्खू ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायर किए, जिसमें से एक गोली लक्खू के पैर में लगी। पकड़े जाने के बाद लक्खू को घायल हालत में जिला अस्पताल लाया गया।

दो दिन पहले हुई थी यह घटना

एएसपी विदिता डागर ने बताया कि लक्खू राजपूत पर हत्या और हत्या के प्रयास सहित 21 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह 15 दिन पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था। दो दिन पहले लक्खू हनुखेड़ा गांव गया था, जहां के एक घर में मौजूद महिला और बच्ची से गेट खोलने को लेकर उसका विवाद हो गया और इसके बाद आरोपी ने गोली चला दी जिससे 9 साल की बच्ची प्रन्सी प्रजापति घायल हो गई थी।

एमपी के उमरिया, शहडोल, मैहर समेत कई जिलों में गिरे ओले, किसानों की बढ़ी परेशानी, आगे भी अलर्ट

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। मध्य प्रदेश में दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। इसके असर से प्रदेश में ओलावृष्टि, बारिश, गरज-चमक और आंधी चल रही है। शुक्रवार को प्रदेश के उमरिया, शहडोल, मैहर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे जिससे किसानों की फसलों का काफी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए अलर्ट जारी किया है। 22 और 23 मार्च को भी ऐसा मौसम बना रहेगा।

मौसम बदलने से कई शहरों में दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई है। सीधी में 27.8 डिग्री, रीवा में 28.8 डिग्री, सतना में 31.4 डिग्री और नौगांव में पारा 32.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के सीनियार वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि मौजूदा सिस्टम का असर 23 मार्च तक रहेगा। 24 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो सकता है।

उमरिया में ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

उमरिया जिले के घुलघुली क्षेत्र के ग्राम पंचायत जरहा के घोरमारा में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे मौसम ने अचानक करवट ली। तेज आंधी, तूफान और बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। इस प्राकृतिक आपदा से गेहूं, चना, मटर और सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। फसल कटाई के अंतिम चरण में थी, ऐसे में यह आपदा किसानों के लिए और भी ज्यादा चिंताजनक हो गई है।

ओलावृष्टि से इन फसलों को नुकसान

खेतों में खड़ी गेहूं की फसल तेज हवाओं के कारण गिर रही है। किसान अरुण तिवारी के अनुसार उनकी मेहनत से तैयार की गई फसल अब खतरे में है। जिले में रुक-रुक कर हो रही बारिश से जहां गर्मी से राहत मिली है, वहीं फसलों के लिए यह नुकसानदायक साबित हो रही है। किसान डॉक्टर बाल्मिक गौतम ने कहा कि खेतों में अभी गेहूं, चने और सरसों की फसल पककर तैयार है। इसे काटने की तैयारी कर रहे थे, इस ओलावृष्टि से इन फसलों को काफी नुकसान हो सकता है। शहडोल जिले में शुक्रवार की तड़के ठंडी हवाएं चलने लगीं। सुबह से ही घने बादल छाए रहे। दोपहर में तेज गर्जना के साथ बारिश हुई साथ ही ओलावृष्टि हुई है। छोटे-छोटे ओलों से खेतों में फसलों को नुकसान भी पहुंचा है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

मैहर में गेहूं, चना और सरसों का हुआ नुकसान

मैहर में हो रही बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। शुक्रवार दोपहर जिले के कई इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले गिरने से किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने गेहूं, चना और सरसों जैसी दलहन फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

घर-घर में पैदा होगी बिजली, खेती की तरह स्थानीय स्तर पर होगी कमाई

भविष्य में भारतीय घरों के ऊपर बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन तथा स्थानीय स्तर पर खपत होगी। अधिकांश घर ऊर्जा उत्पादकों के घर होंगे। घरों में स्वयं की ऊर्जा के अलावा बिजली का अतिरिक्त उत्पादन करके बिजली स्थानीय आधार पर बेची भी जा सकेगी। आईटी कंपनी इन्फोसिस के अध्यक्ष नंदन नीलेकणी ने यह दावा किया है। उनका कहना है, भविष्य में सौर ऊर्जा से भारतीयों को भारी कमाई हो सकती है। सौर ऊर्जा का स्टोर अब बैटरी में आसानी से हो सकता है। बैटरी में संग्रहित ऊर्जा को जरूरत के हिसाब से उपयोग में लाया जा सकता है। इसे ग्रिड के साथ जोड़कर जहां ऊर्जा की जरूरत है, वहां पर भी सप्लाई की जा सकेगी। आस-पास के घरों में बिजली सप्लाई संभव हो सकेगी। यह सब ईवी चार्जिंग के कारण संभव होगा। पिछले वर्षों में ऊर्जा से संबंधित 20 कंपनियों ने ओपन नेटवर्क लॉन्च किया है। सोलर पैनल से सौर ऊर्जा का उत्पादन तथा ईवी बैट्रीयों में संग्रहण करके बैटरी के माध्यम से ऊर्जा का लेन-देन भारत में स्थानीय स्तर पर काफी आसान हो जाएगा। डिजिटल भुगतान की तरह अब लोग आपस में ऊर्जा का लेन-देन कर सकेंगे। पुराने जमाने में जिस तरह से लोग ईंधन को अपनी आवश्यकता के अनुसार खरीदते थे, उसी तरह से अब बिजली को भी आवश्यकता अनुसार कभी भी, कहीं पर भी खरीदा और बेचा जा सकता है। सौर ऊर्जा का उपयोग विभिन्न माध्यमों से आवश्यकतानुसार किया जा सकता है। लकड़ी और गैस सिलेंडर का स्थान भी अब सौर ऊर्जा लेने जा रही है। अभी तक जनरेटर से ऊर्जा प्राप्त करने का एकमात्र तरीका था। भारत जैसे देश में जहां पर्याप्त मात्रा में सौर ऊर्जा उपलब्ध है। भारत में ऊर्जा का स्त्रोत और इससे होने वाली कमाई का तौर तरीका बदलने वाला है। निश्चित रूप से प्राकृतिक ऊर्जा सूर्य से प्राप्त हो रही है। इसकी लागत भी बहुत कम है। अभी जिस तरह की बैटरियां निर्मित हो रही हैं, उसमें सौर ऊर्जा को आसानी से संग्रहित करके रखा जा सकता है। जब सूरज की रोशनी नहीं होती है, उस समय भी निर्बाध रूप से बिजली प्राप्त की जा सकती है। घरों की छतों एवं खुले स्थान जहां पर सूर्य की रोशनी आसानी से पहुंच रही है वहाँ सोलर पैनल लगाकर, ईवी बेट्रियां रखकर उसमें ऊर्जा को संग्रहित कर स्थानीय स्तर पर नया कारोबार विकसित हो रहा है। वर्तमान स्थिति में स्थानीय स्तर पर खेती की तरह वैकल्पिक ऊर्जा के माध्यम से लोग स्थानीय स्तर पर ऊर्जा का कारोबार कर सकेंगे। अपने आर्थिक आधार को मजबूत कर सकेंगे। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जिस तरह के कानून बनाती हैं। सौर ऊर्जा के लिए जरूरी सोलर पैनल के ऊपर भारी आयातित शुल्क वसूल किया जाता है। नियम और कानून की इतनी जटिलताएं हैं, जिसके कारण भारत में सौर ऊर्जा जो सहज रूप से प्रकृति के माध्यम से उपलब्ध है उसका उपयोग और दोहन भारत में नहीं हो पा रहा है। सरकार को ऊर्जा के रूप में भारी विदेशी मुद्रा कच्चे तेल के आयात और ऊर्जा से संबंधित अन्य उपकरणों को मंगाने में खर्च करनी पड़ती है। बड़ी मात्रा में भारत सरकार को भी आयात करनी पड़ती है। इसमें भारत सरकार को भारी विदेशी मुद्रा खर्च करना होता है। भारत में पूरे वर्ष सौर ऊर्जा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। केंद्र सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था की कमजोर हालत को देखते हुए, सौर ऊर्जा का उपयोग भारत सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। सोलर पैनल और बेट्रियां उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार यदि युद्ध स्तर पर प्रयास करती है, तो इसके बहुत अच्छे परिणाम भारत में देखने को मिलेंगे। लाखों युवा और युवतियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध होगा। पर्याप्त मात्रा में भारत के अंदर सौर से जो ऊर्जा प्राप्त होगी, उसके कारण बाद विदेशों से कच्चा तेल आयात कम से कम करना पड़ेगा। खाना पकाने एवं अन्य कार्यों में भी जहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा की जरूरत होती है, उसकी भरपाई भी सौर ऊर्जा के माध्यम से संभव है। वाहनों के संचालन में भी ईवी बैटरी के माध्यम से करोड़ों टन ईंधन बचाया जा सकता है। खेती के उपकरणों में भी इनका उपयोग हो सकेगा। कृषि फसलों की तरह स्थानीय रोजगार के रूप में सौर ऊर्जा का विकल्प उभर कर सामने है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इस कार्य को प्राथमिकता के साथ करना होगा। गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्राथमिकता के साथ सुनियोजित प्रयास करने होंगे। नियम,कायदे, कानून बहुत सहज और सरल बनाने होंगे। ताकि यह हवा गांव-गांव तक तेजी के साथ और जल्दी से पहुंचे।

ऋषभ हैं सभ्यता और संस्कृति के पुरोधा पुरुष

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ यानी भगवान ऋषभदेव विश्व संस्कृति के आदि पुरुष, आदि संस्कृति निर्माता थे। वे प्रथम सम्राट और प्रथम धर्मतीर्थ के आद्य प्रणेता थे। उनकी निर्मल जीवनगाथा हजारों वर्षों से जनजीवन को प्रेरणा प्रदान करती रही है। जैन, बौद्ध और वैदिक परम्परा में ही नहीं, विश्व की अन्य संस्कृतियों में भी उनकी यशोगाथा गायी गई है। भगवान ऋषभदेव ने भारतीय संस्कृति में असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प रूपी जीवनशैली दी, आज हमारा जीवन उसी पर आधारित है। इन छह कर्मों के द्वारा उन्होंने जहां समाज को विकास का मार्ग सुझाया, वहीं अहिंसा, संयम और तप के उपदेश द्वारा समाज की आंतरिक चेतना को जगाया। उनकी जन्म जयन्ती कोरा आयोजनात्मक माध्यम न होकर एक प्रयोजनात्मक उपक्रम है, जिसमें हम भारतीय संस्कृति को दिये उनके योगदान को स्मरण करते हुए अपने जीवन को आदर्श बना सकते हैं। भगवान ऋषभदेव वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं। तीर्थंकर का अर्थ होता है-जो तीर्थ की रचना करें। जो संसार सागर यानी जन्म मरण के चक्र से मुक्ति दिलाकर मोक्ष प्रदत्त करें। ऋषभदेव को आदिनाथ भी कहा जाता है। वे भगवान विष्णु के अवतार थे। जन-जन की आस्था के केन्द्र तीर्थंकर प्रभु ऋषभदेव का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी को अयोध्या में हुआ। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। वे जानते थे कि नहीं जानना बुरा नहीं मगर गलत जानना, गलत आचरण करना बुरा है। इसलिए उन्होंने सही और गलत को देखने, समझने, परखने की विवेकी आंख दी जिसे सम्यक् दृष्टि कहा जा सकता है। यह वह समय था जब भोगभूमि का काल पूर्ण होकर कर्मभूमि का काल प्रारंभ हो गया था। भोगभूमि में दस कल्पवृक्ष होते थे जो मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करते थे। मनुष्य को कोई काम नहीं करना पड़ता था। धीरे-धीरे काल के प्रभाव से यह कल्पवृक्ष लुप्त होते गए और मनुष्य के सामने भूख प्यास, गर्मी सर्दी और बीमारियों की समस्याएं आने लगी। प्रजा अपने राजा नाभिराय के पास गई और उपाय पूछा तो राजा ने प्रजा को युवराज ऋषभ के पास भेज दिया। युवराज ऋषभ ने संसारी रहते हुए प्रजाजनों को शस्त्र, लेखनी, विद्या, व्यापार, खेती एवं शिल्प इन छह कार्यों को करना सिखलाया। उन्होंने जनता को इन छह कार्य के द्वारा आजीविका पैदा करने के उपदेश दिए। इसीलिए वे युगकर्ता, सृष्टि के पालनहार और सृष्टि के ब्रह्मा कहलाए। इस रचना के द्वारा ऋषभदेव ने प्रजा का पालन किया। इसलिए उन्हें प्रजापति भी कहा गया। महाराज नाभि के यहां ऋषभ रूपी दिव्य बालक का जन्म हुआ। उसके चरणों में वज्र, अंकुश आदि के चिन्ह जन्म के समय ही दिखाई दिये। बालक के अनुपम सौन्दर्य को जिसने भी देखा वह मोहित हो गया। बालक के जन्म के साथ महाराज नाभि के राज्य में सम्पूर्ण ऐश्वर्य, सुख-शांति एवं वैभवता परिव्याप्त हो गयी। नाभि के राज्य में अतुल ऐश्वर्य को देखकर इन्द्र को ईर्ष्या हुई। उन्होंने इनके राज्य में वर्षा बंद कर दी। भगवान ऋषभदेव ने अपनी योगमाया के प्रभाव से इन्द्र के प्रयत्न को निष्फल कर दिया। इन्द्र ने अपनी भूल के लिए क्षमा माँगी। ऋषभ के सौ पुत्र हुए। उनमें सबसे बड़े पुत्र का नाम भरत था। उसी के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष प्रसिद्ध हुआ। ऋषभ ने पुत्रों को मोक्षधर्म का अति सुंदर उपदेश दिया। तदनन्तर ऋषभ अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये। ऋषभ जब शासक बने, अनूठा थी उनकी शासन-व्यवस्था। क्योंकि उनके लिये सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। उन्होंने कानून कायदे बनाए। सुरक्षा की व्यवस्था की। संविधान निर्मित किए। नियमों का अतिक्रमण करने वालों के लिए दण्ड संहिता भी तैयार की। सचमुच वह भी कैसा युग था। न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। बाद में जब कभी बदलते परिवेश, पर्यावरण, परिस्थिति और वैयक्तिक विकास के कारण व्यवस्था में रुकावट आई, कहीं कुछ गलत हुआ, मनुष्य का मन बदला तो उस गलत कर्म के लिए इतना कह देना ही बड़ा दण्ड माना जाता कि हाय! तूने यह क्या किया? ऐसा आगे मत करना धिक्कार है तूने ऐसा किया। ये हाकार, माकार और धिक्कार नीतियां अपराधों का नियमन करती रहीं। आज की तरह उस समय ऐसा नहीं था कि अपराधों के सच्चे गवाह और सच्चे सबूत मिल जाने के बाद भी अदालत उसे कटघरे में खड़ा कर अपराधी सिद्ध न कर सके। निर्दोष व्यक्ति न्याय पाने के लिए दर-दर भटके और अपराधी धड़ल्ले से शान-शौकत के साथ ऐशो आराम करे।

आर्थिक नवोत्थान की स्वर्णिम गाथा रचते मोहन

सत्येंद्र जैन, स्तंभकार

मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव की सरकार का दूसरा बजट वर्ष 2025-26 हेतु उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया है।यह बजट,स्वतंत्रता के अमृत काल में मध्य प्रदेश का दूसरा अमृत बजट है।राज्य के आर्थिक नवोत्थान की स्वर्णिम गाथा के संकल्पों से परिपूर्ण इस मंगलकारी बजट में प्रदेश का विकास और भगवान रूपी जनता के कल्याण की सुगंध प्रवाहित हो रही है।

न त्वहं कामये राज्यं,न स्वर्गं नापुनर्भवम् ।
कामये दु:खतप्तानां,प्राणिनाम् आर्तनाशनम् ।

अर्थात मुझे न राज्य,न स्वर्ग और न मोक्ष की कामना है। मेरी इच्छा है कि पीड़ितों का दुख,कष्ट दूर करने में मेरा जीवन काम आए।भारतीय संस्कृति के इस मूलमंत्र को अंगीकार कर भागीरथी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंगलकारी बजट में रामराज की छवि स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित हो रही है।राम वन गमन पथ, श्री कृष्ण पाथेय, श्री महाकाल लोक सहित डेढ़ दर्जन लोक को विकसित करने का संकल्प झलक रहा है।कोई भी नया कर भी आरोपित नहीं किया गया है।बजट में सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के मंत्र से ओतप्रोत होकर ज्ञान तङ्खह गरीब ,युवा, किसान,नारी शक्ति एवं मध्यम वर्ग के कल्याण हेतु समर्पित है। मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव के अनेक निर्णयों में संस्कृति वत्सल, प्रतापी,कुशल प्रशासक विक्रमादित्य,राजमाता अहिल्या देवी होल्कर,रानी दुर्गावती,महाराजा छत्रसाल की राज्य कुशलता की छवि दृष्टिगोचर होती है।

विश्व के महानतम अर्थशास्त्री चाणक्य के मंत्र अनुसार : प्रजासुखे सुखं राज्ञ:,प्रजानां च हिते हितम् ।
नात्मप्रियं हितं राज्ञ:,प्रजानां तु प्रियं हितम् ।

अर्थात प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है। प्रजा का हित ही राजा का वास्तविक हित है । इस मंत्र को आत्मसात करते हुए भाजपा की डॉ मोहन यादव सरकार प्रगति पथ पर अग्रसर है।अर्थ तंत्र को उन्नत कर रही है।मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के कुशल वित्तीय सुप्रबंधन का ही सुफल है कि इस बजट में कोई भी नया कर आरोपित नहीं किया है।यह निर्णय प्रजा को राहत प्रदान करता है।इस बजट को प्रस्तुत करने के पूर्व प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों जैसे व्यापार, उद्योग, स्वास्थ्य,शिक्षा,श्रम, पर्यावरण, पत्रकारिता,आम नागरिकों आदि से संवाद कर एवं विभिन्न माध्यमों से सुझावों को संकलित कर,विमर्श उपरांत तैयार किया गया है। यह बजट प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग, निवेश,रोजगार को बढ़ाने के साथ-साथ सर्व समावेशी,लोकमंगल की भावना का बजट है।

लक्षित बजट: आगामी 5 वर्षों में बजट के आकार को दोगुना कर वर्ष 2028-29 तक 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक करने का भाजपा की मोहन सरकार का लक्ष्य है।पूंजीगत निवेश को बढ़ाना,सड़क विस्तार एवं संधारण, सिंचाई क्षेत्रफल जल संचय क्षमता विस्तारण,बिजली,सौर,पवन ऊर्जा उत्पादन,वितरण सुविधा का विस्तार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा का विकास और उद्योग,रोजगार के अवसर वृद्धि हेतु निवेश आकर्षित करने आदि के लक्ष्यों को पूर्ण कर विकसित भारत निर्माण के परम लक्ष्य में योगदान देना है।वर्ष 2025-26 को उद्योग,निवेश एवं रोजगार वर्ष घोषित किया गया है।प्रचलित दर पर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की विकास दर 11.05 प्रतिशत है।राष्ट्रीय विकास दर के डेढ़ गुनी से अधिक है।भारत की अर्थव्यवस्था में मध्य प्रदेश का योगदान 3.6 प्रतिशत से बढ़कर के लगभग 5 प्रतिशत हो गया है।वर्ष 2046-47 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 250 लाख करोड़ रुपये से अधिक करने का लक्ष्य है।प्रति व्यक्ति आय को 22 लाख रुपए से अधिक ले जाने का लक्ष्य है।

उन्नत आर्थिक बजट : भाजपा की मोहन सरकार ने राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तुत किया है।यह पिछले बजट से 15 प्रतिशत अधिक है। यह बजट भाजपा सरकार के संकल्प,प्रदेश के क्रमिक,उत्तरोत्तर विकास को दर्शाता है।राज्य का पूंजीगत व्यय भी बढ़कर लगभग 85 हजार करोड़ हुआ है।प्रभावी पूंजीगत व्यय भी 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक है।यह राज्य की जीएसडीपी का 5.5 प्रतिशत से अधिक है।वर्तमान बजट का लगभग 22 प्रतिशत से अधिक है । अधो सरंचना विकास में सरकार पिछले वर्ष की तुलना में 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि व्यय करने जा रही है।यह भाजपा की मोहन सरकार का साहस है जो संकल्प पत्र के संकल्पों को पूरित करने के साथ-साथ समानान्तर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर महती धनराशि निवेश कर रही है।अधिक पूंजीगत व्यय होने से ही मध्य प्रदेश का दीर्घकालीन,शाश्वत विकास संभव है। अनेक आर्थिक अध्ययनों में अर्थशास्त्रियों द्वारा बताया गया है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर में एक रुपए व्यय करने पर लॉन्ग टर्म में लगभग आठ रुपये अर्थ व्यवस्था में आते हैं।अर्थ व्यवस्था सशक्त होती है।

इस बजट में कुल राजस्व प्राप्तियों का अनुमान 3.75 लाख करोड़ रुपये है।पिछले वर्ष के सापेक्ष 14 प्रतिशत अधिक है। राजस्व प्राप्ति अनुमान भी 10 प्रतिशत बढ़ा है।जो 2.90 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है ।राज्य के स्वयं के कर की राशि भी 7 प्रतिशत से बढ़कर 1.09 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। केंद्रीय करों से प्रदेश को लगभग 17 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.11 लाख करोड़ रुपए प्राप्ति का अनुमान है। वर्ष 2024-25 में यह राशि 95.75 हजार करोड़ रुपए अनुमानित है।करेत्तर राजस्व प्राप्ति भी 4 प्रतिशत वृद्धि के साथ लगभग 21.39 हजार करोड़ रुपए प्रस्तावित है।राजकोषीय घाटा भी राज्य जीएसडीपी का 4.66 प्रतिशत अनुमानित है।मध्य प्रदेश का 1 रुपए व्यय में से 17 पैसे अधोसंरचना विकास में, 9 पैसे कृषि क्षेत्र में, 12 पैसे स्वास्थ्य क्षेत्र में, 11 पैसे शिक्षा क्षेत्र में, 6 पैसे समाज कल्याण में, 12 पैसे नगर एवं ग्रामीण विकास में, 9 पैसे सामान्य सेवा में,7 पैसे ऋण भुगतान में,7 पैसे ब्याज भुगतान में,7 पैसे पेंशन पर व्यय होने का अनुमान है।राज्य को 1 रुपए अर्जित करने में 29 पैसे राज्य करों से, 30 पैसे केंद्रीय करों से, 13 पैसे केंद्रीय सहायता से, 6 पैसे करेत्तर राजस्व, 22 पैसे अन्य पूँजी प्राप्ति से आते हैं। आर्थिक विकास के समस्त पैरामीटर प्रदेश के आर्थिक उत्थान के प्रतिमान हैं।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सरकार का वित्तीय वर्ष 2025-26 का सर्व समावेशी बजट,प्रदेश के आर्थिक नवोत्थान की गाथा गढ़ विकसित मध्य प्रदेश की संकल्पना को पूरित करेगा।

तलाक की भेंट चढ़ते तेरे मेरे सपने

जब सपने बिखरते हैं, प्रेम विवाह में तलाक बढ़ते हैं

आजकल तलाक के बढ़ते मामलों ने समाज में एक नई चिंता को जन्म दिया है। चाहे अरेंज मैरिज हो या प्रेम विवाह, रिश्तों में दूरियाँ बढ़ने से वैवाहिक जीवन अस्थिर होता जा रहा है। तलाक सिर्फ़ दो लोगों को ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों, बचों और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए, इसे रोकने के लिए कुछ ठोस क़दम उठाने ज़रूरी हैं। तलाक कोई हल नहीं है, बल्कि यह आखिरी विकल्प होना चाहिए।

प्रियंका सौरभ

रिश्ते को मज़बूत और खुशहाल बनाने के लिए आपसी सम्मान, संवाद, धैर्य और प्रेम ज़रूरी हैं। यदि पति-पत्नी एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें और रिश्ते में संतुलन बनाए रखें, तो तलाक की दर को कम किया जा सकता है। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण ग़लत अपेक्षाएँ, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ़ प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल होती है। आज के दौर में प्रेम विवाह का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही तलाक की दर भी बढ़ती जा रही है। जहाँ प्रेम विवाह को प्रेम, स्वतंत्रता और आपसी समझ का प्रतीक माना जाता था, वहीं तलाक के बढ़ते मामलों ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शादी सिर्फ़ दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि उनके सपनों, उम्मीदों और भावनाओं का एक संगम होती है। जब दो लोग प्रेम विवाह करते हैं, तो वे भविष्य के कई सुनहरे सपने बुनते हैं—साथ मिलकर जीने के, खुशियाँ बाँटने के और एक खूबसूरत सफ़र तय करने के। लेकिन जब यह सफ़र तलाक की कगार पर पहुँचता है, तो सबसे पहले कुचले जाते हैं तेरे मेरे सपने। शादी से पहले जो जोश, उत्साह और अपनापन होता है, वह धीरे-धीरे कई कारणों से फीका पड़ने लगता है। छोटी-छोटी गलतफहमियाँ, अहंकार की दीवारें और बदलती प्राथमिकताएँ उन सपनों को मिटाने लगती हैं, जिन्हें कभी दोनों ने मिलकर संजोया था। शादी से पहले एक-दूसरे के लिए जो सपने देखे जाते हैं, वे हक़ीक़त की ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबने लगते हैं। जब सपनों की दिशा अलग-अलग हो जाती है, तो रिश्ते कमजोर पड़ने लगते हैं। प्रेम सम्बंध में अक्सर लोग अपने साथी को एक आदर्श रूप में देखते हैं, लेकिन शादी के बाद जब वास्तविकता सामने आती है, तो असंतोष उत्पन्न हो सकता है। एक सफल विवाह के लिए संवाद बहुत ज़रूरी होता है। यदि जीवनसाथी एक-दूसरे की बातों को समझने और सुनने में असमर्थ होते हैं, तो रिश्ते में दरार आ सकती है। कई बार शादी के बाद आर्थिक दबाव और ज़िम्मेदारियों को निभाने में कठिनाइयाँ आने लगती हैं, जिससे मतभेद बढ़ सकते हैं। प्रेम विवाह में कई बार परिवार और समाज का विरोध झेलना पड़ता है। यदि दंपति मानसिक रूप से मज़बूत नहीं होते, तो यह तनाव उनके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है। यदि किसी एक साथी का व्यवहार संदेहास्पद होता है या अविश्वास उत्पन्न होने लगता है, तो यह तलाक का कारण बन सकता है। शादी के बाद जब दोनों व्यक्तियों की प्राथमिकताएँ बदलने लगती हैं और यदि उनकी सोच मेल नहीं खाती, तो रिश्ते में तनाव आ सकता है। आधुनिक समय में करियर को प्राथमिकता देने से वैवाहिक जीवन पर असर पड़ सकता है। कई बार साथी एक-दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने लगते हैं, जिससे मतभेद बढ़ते हैं। आत्मसम्मान और अहंकार की लड़ाई शुरू हो जाती है। कौन ज़्यादा सही है? यह सवाल रिश्ते को भीतर से खोखला करने लगता है और सपने टूटने लगते हैं। केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि समान विचारधारा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, करियर लक्ष्य और जीवनशैली को ध्यान में रखकर जीवनसाथी का चुनाव करें। हर समस्या पर खुलकर बात करें और अपने साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। शादी से पहले और बाद में एक-दूसरे से व्यावहारिक अपेक्षाएँ रखें और उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। किसी भी रिश्ते की नींव विश्वास होती है। अपने साथी के प्रति निष्ठावान रहें और पारदर्शिता बनाए रखें। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। किसी भी समस्या का समाधान जल्दबाज़ी में न निकालें, बल्कि धैर्यपूर्वक विचार करें। कभी-कभी परिवार और करीबी दोस्तों से सलाह लेना भी रिश्ते को मज़बूत करने में मदद कर सकता है। यदि रिश्ते में समस्याएँ बढ़ रही हैं, तो विवाह विशेषज्ञ या काउंसलर से मार्गदर्शन लेना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। शादी के बाद भी एक-दूसरे के सपनों को समझें और उन्हें साथ मिलकर पूरा करने का प्रयास करें।

देश की भाषिक योजना और हिंदी

देश में आजादी का आंदोलन और हिंदी की स्वीकार्यता दोनों कार्य समांतर चल रहे थे। उस समय अंग्रेजों और अंग्रेजी दोनों के बरक्स हिंदी एक औजार की तरह कार्य कर रही थी। यही कारण था कि बाद में हिंदी स्वतंत्र भारत की भाषिक अभिव्यक्ति बनी। इसके पीछे सिर्फ महात्मा गांधी नहीं, देशभर के स्वतंत्रता सेनानी इस मत के साथ कार्य कर रहे थे कि देश के लोकतंत्र की भाषा हिंदी होगी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी हिंदी को केंद्रीय स्तर पर राजभाषा का दर्जा दिया गया। हालांकि इसके साथ अंग्रेजी को भी राजभाषा का दर्जा मिला था, जिसके मूल में अंग्रेजी की विरासत और कुछ छिटपुट हिंदी विरोध था। मगर तब से और आज तक धरातल पर बहुत कुछ बदल चुका है। वर्ष 2001 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर निकले निष्कर्ष को देखें, तो हिंदी विरोध के गुब्बारे में सुई जमीनी स्तर से चुभाई जा रही है। इसलिए राजनीति में नकारात्मक भाषाई मुद्दों को चुनने का ढर्रा अब बदल देना चाहिए। निराशा की बात है कि ऐसा नहीं रहा और दिनों-दिन इस तरह के मुद्दे उठाए जाने लगे हैं। दरअसल, हिंदी बोलने वालों की जो जनसंख्या वर्ष 2001 में थी, उसमें 2011 तक अखिल भारतीय स्तर पर 25.19 फीसद की वृद्धि हुई, लेकिन यही विस्तार किसी पूर्ण राज्य के रूप में तमिलनाडु में सबसे ऊपर है, जो अब 107.62 फीसद है। आगे यह केरल में 96.80, गोवा में 95.40, गुजरात में 78.53 और कर्नाटक में 49.71 फीसद है। हिंदी- विस्तार का यही आंकड़ा उत्तर प्रदेश 23.86 फीसद, बिहार र में 33.08 और मध्यप्रदेश में 2.15 फीसद है। गौरतलब है कि यह क्षेत्र कथित रूप से हिंदी प्रदेश है और यहां इन दस वर्षों के अंतराल में जनसंख्य के कुल विस्तार वाले फीसद की अवहेलना भी नहीं की जा सकती है। लिहाजा, धारणा से विपरीत हिंदी का मूल विस्तार उन्हीं क्षेत्रों में अधिक हुआ है, जहां जहां परंपरागत रूप हिंदी का प्रभाव नहीं माना गया है और उसमें भी तमिलनाडु सबसे ऊपर है। गौरतलब है वहां हिंदी को थोपा नहीं गया है, हिंदी- विरोध तो वहां की राजनीति का केंद्रीय तत्त्व है। दरअसल, ऐसा इसलिए हो रहा है कि आज अंतरराज्यीय रोजगार, शिक्षा और मनोरंजन आदि की चाहत में लोगों ने हिंदी सीखी है या इन्हीं कारणों से विस्थापन हुआ है। यदि हिंदी को थोपना होता, तो यह संविधान की मूल मंशा के अनुरूप आज देश की अनिवार्य राजभाषा होती, लेकिन यह सच्चाई किसी से नहीं छिपी है कि स्वतंत्रता के इतने साल बाद भी सरकारी कामकाज की भाषा स्वाभाविक रूप से अंग्रेजी ही है। जाहिर है कि हिंदी अपनी जमीन से आगे बढ़ रही है, ऊपर से थोपी नहीं गई है। इस क्रम में हिंदी को लेकर कुछ बने बनाए भ्रम से देश जितना जल्दी जल्दी निकल जाए, तो अच्छा होगा। सर्वप्रथम तो यही कि हिंदी पट्टी जैसी कोई चीज वास्तविक धरातल पर नहीं है। यह सिर्फ ग्रियर्सन (1928) द्वारा प्रस्तावित हिंदी बेल्ट का अनुवाद भर है, जिसे रामविलास शर्मा आदि सरीखे विद्वानों ने हिंदी में जड़भूत कर दिया। जिस बड़े क्षेत्र को ग्रियर्सन ने हिंदी बेल्ट कहा था, उसी में से बिहार को बिहारी भाषा वाला क्षेत्र बताया था। आज अगर इस भाषा को खोजा जाएगा, तो न तो वास्तव में कोई बिहारी भाषा का अस्तित्व है और न ही हिंदी बेल्ट का वास्तव में इस पट्टी में हिंदी से अधिक प्यार पाने वाली दूसरी सैकड़ों भाषाएं हैं और ये सभी लोग हिंदी को उसी व्यावहारिकता के धरातल पर खड़ा होकर स्वीकार करते हैं, जैसे देश के दूसरे हिस्सों के लोग । गौरतलब है कि जिस कथित हिंदी पट्टी को हिंदी का ज्ञाता समझ लिया जाता है, वहां हिंदी को अलग से सीखा जाता है। यहां दूर-दराज के क्षेत्रों में आज भी हिंदी उसी तरह है, जैसे बांग्ला, असमिया और गुजराती आदि हो सकती है। यहां तक कि हिंदी का प्रांतीय स्वरूप अपने आप में भिन्न है, जो हिंदी के लोकतांत्रिक चरित्र का सबसे सुंदर उदाहरण है। दूसरी तरफ आज देश में हिंदी 5 नाम पर घोषित सरकारी-गैरसरकारी नौकरियों का अखिल भारतीयकरण तेजी से हुआ है। अब देश को जोड़ने, चलाने और जातीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए संवाहक भाषाओं की जरूरत हमेशा रहेगी और इसमें हिंदी सर्वाधिक उपयोगी है।

धार्मिक सौहार्द बनाम विभाजनकारी नारे, भारतीय समाज का द्वंद्व ?

अल्ताफ मीर

भारत के चहल-पहल भरे शहरों और शांत गांवों के बीच, रोजमर्रा की जिंदगी की कोलाहल के बीच, एक खामोश सिम्फनी मौजूद है- सह-अस्तित्व की एक लय जो हजारों सालों से उपमहाद्वीप में धड़क रही है। यह लय एकरूपता से नहीं बल्कि अनगिनत धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के सामंजस्यपूर्ण अंतर्संबंध से परिभाषित होती है। फिर भी, हाल के दिनों में, यह नाजुक संतुलन असंगत स्वरों-पूजा स्थलों के बाहर गूंजने वाले सांप्रदायिक नारों से बाधित हुआ है, जिसने पवित्र स्थानों को विभाजन के अखाड़ों में बदल दिया है। ये कृत्य, जो अक्सर राजनीतिक रूप से आरोपित होते हैं, सहानुभूति और आपसी सम्मान के उस लोकाचार के बिल्कुल विपरीत हैं जिसे भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पूर्वजों ने सदियों से पोषित किया है। यह समझने के लिए कि इस तरह के कार्य भारत की आत्मा के साथ विश्वासघात क्यों करते हैं, किसी को इसके अतीत में यात्रा करनी चाहिए, इसके वर्तमान पर विचार करना चाहिए और इसके कालातीत मूल्यों के लेंस के माध्यम से इसके भविष्य की फिर से कल्पना करनी चाहिए। भारत का इतिहास बहुलवाद के धागों से बुना गया एक ताना-बाना है। धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा के आधुनिक शब्दकोशों में आने से बहुत पहले, प्राचीन भारतीय सभ्यताओं ने विविधता को जीवन के एक स्वाभाविक तरीके के रूप में मनाया। वेदों ने घोषणा की, एकम सत, विप्र बहुधा वदंति (सत्य एक है, बुद्धिमान इसे कई नामों से पुकारते हैं)। यह दर्शन साम्राज्यों और युगों में व्याप्त रहा। कलिंग के रक्तपात के बाद सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को अपनाया और सभी संप्रदायों के सम्मान की वकालत करते हुए शिलालेख बनवाए। मध्यकालीन काल के भक्ति और सूफी आंदोलनों ने कठोर हठधर्मिता को पार कर लिया, जिसमें कबीर और मीराबाई जैसे कवियों ने एक ऐसे दिव्य प्रेम का गायन किया जो धार्मिक सीमाओं को नहीं जानता था। पंजाब में गुरु नानक की शिक्षाओं ने हिंदू और इस्लामी विचारों को मिश्रित किया, जबकि 15वीं शताब्दी के कवि-संत बसव ने कर्नाटक में जाति पदानुक्रम को चुनौती देते हुए घोषणा की, भेदभाव न करें; शरीर एक ही है, चाहे कोई भी उपासक हो। अकबर का दीन-ए- इलाही भी, हालांकि अल्पकालिक था, लेकिन सभी धर्मों को एक साझा नैतिक ढांचे में संश्लेषित करने के प्रयास का प्रतीक था। समावेशिता की यह विरासत भारत के स्वतंत्रता संग्राम का आधार बन गई। महात्मा गांधी का राम राज्य एक बहुसंख्यकवादी आदर्श नहीं था, बल्कि न्याय की एक दृष्टि थी, जहाँ सभी धर्म पनपे। उनकी दैनिक प्रार्थनाओं में गीता, कुरान और बाइबिल की आयतें शामिल थीं। सरोजिनी नायडू, मौलाना आज़ाद और डॉ. अंबेडकर- विभिन्न पृष्ठभूमियों के नेता- एकजुट थे, यह पहचानते हुए कि भारत की ताकत इसकी बहुलता में निहित है। जब विभाजन ने उपमहाद्वीप को अलग कर दिया, तो नवजात भारतीय गणराज्य ने अपने संविधान में धर्मनिरपेक्षता को शामिल किया, पश्चिमी आयात के रूप में नहीं बल्कि अपनी सभ्यतागत लोकाचार की निरंतरता के रूप में। जैसा कि अंबेडकर ने जोर देकर कहा, एक सफल क्रांति के लिए, असंतोष होना पर्याप्त नहीं है। जो आवश्यक है वह राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के न्याय, आवश्यकता और महत्व के बारे में गहन और संपूर्ण विश्वास है। इन अधिकारों में बिना किसी डर के पूजा करने की स्वतंत्रता शामिल थी। फिर भी आज, सांप्रदायिकता की छाया इस प्रकाश को खतरे में डाल रही है। हाल के वर्षों में ऐसी घटनाएँ देखी गई हैं जहाँ धार्मिक जुलूस मस्जिदों, मंदिरों या चर्चों के बाहर भड़काऊ तरीके से रुकते हैं और नारे लगाते हैं जो आस्था को हथियार बना देते हैं। दिल्ली, हैदराबाद या वाराणसी में, ऐसी हरकतें- जिन्हें अक्सर सोशल मीडिया पर बढ़ावा दिया जाता है- चिंताएँ बढ़ाती हैं, समुदायों को अलग-थलग करती हैं और सामाजिक ताने-बाने को तोड़ती हैं। मस्जिद की अज़ान शोर की शिकायत बन जाती है; मंदिर के जुलूस को प्रभुत्व के दावे के रूप में देखा जाता है। ये तनाव जैविक नहीं बल्कि इंजीनियर हैं, जो ऐतिहासिक शिकायतों का इस्तेमाल धार्मिक लाभ के लिए करते हैं। राजनेता धार्मिक पहचान को हथियार बनाते हैं, बहुलवाद को शांतिवाद और बहुसंख्यकवाद को देशभक्ति के रूप में पेश करते हैं। त्रासदी यह है कि यह विभाजन खुद को भक्ति के रूप में पेश करता है, जो इसके मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए आस्था की रक्षा करने का दावा करता है। भारत के ऋषियों ने सिखाया है कि धार्मिकता सहानुभूति में निहित है- हर चेहरे में शराब देखने की क्षमता। उन रोज़मर्रा के इशारों पर विचार करें जो आज भी भारतीय जीवन को परिभाषित करते हैंलखनऊ में हिंदू दुकानदार रमजान के दौरान इफ्तार का खाना बांटते हैं; केरल में एक मुस्लिम परिवार ओणम के लिए दीये जलाता है; सिख गुरुद्वारे सभी को लंगर देते हैं, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। कोलकाता में दुर्गा पूजा के पंडाल मुस्लिम कारीगरों द्वारा डिजाइन किए जाते हैं; अजमेर में हिंदू ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की सूफी दरगाह पर धागे बांधते हैं। ये विसंगतियाँ नहीं हैं, बल्कि जीवंत धर्मनिरपेक्षता की पुष्टि है, जहाँ आस्था एक पुल है, अवरोध नहीं। जब सांप्रदायिक नारे ऐसे सौहार्द को बाधित करते हैं, तो वे न केवल कानून का उल्लंघन करते हैं- वे आम भारतीयों की शांत, लचीली आध्यात्मिकता का अपमान करते हैं, जिन्होंने सदियों की उथल-पुथल के बीच राष्ट्र की आत्मा को अक्षुण्ण रखा है। सांप्रदायिक बयानबाजी से होने वाला नुकसान तत्काल और घातक दोनों होता है। हिंसा से डरने वाले दिहाड़ी मजदूर के लिए आस्था बोझ बन जाती है। मिश्रित पड़ोस में रहने वाले छात्र के लिए, कानाफूसी संदेह के तहत दोस्ती में दरार आ जाती है। दंगों के कारण आजीविका बाधित होने से अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है; कक्षाओं के पहचान के युद्धक्षेत्र में बदल जाने से शिक्षा ठप हो जाती है। सबसे दर्दनाक बात यह है कि हाशिए पर पड़े लोग- दलित, आदिवासी, धार्मिक अल्पसंख्यक- इसका खामियाजा भुगतते हैं, समानता के लिए उनके संघर्ष को निर्मित विभाजनों ने दबा दिया है। जैसा कि कवि फैज अहमद फैज ने दुख जताया, यह वह सुबह नहीं है जिसके लिए हमने लड़ाई लड़ी थी।

पीएचडी, जामिया मिलिया इस्लामिया

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का सफल आयोजन

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। इस बार विश्व उपभोक्ता दिवस 15 मार्च 2025 को होली पर्व होने के कारण शासन द्वारा विश्व उपभोक्ता दिवस का कार्यक्रम 21 मार्च 2025 को आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देश के तारतम्य में आज विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में उपभोक्ताओ को जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शनी तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदर्शनी में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सहकारी दुग्ध संघ एवं विधिक माप विज्ञान (नाप-तौल) विभाग द्वारा स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी में पेट्रोल पम्प में डीजल/पेट्रोल की डेंसिटी कैसे मापे, जैसी कई जानकारियां दी गई। कार्यक्रम मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर तथा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभांरम किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न उपभोक्ता संगठनों के पदाधिकारी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती नुजहत बानो बकाई, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के परविन्दर जीत सिंह बिन्द्रा एवं श्रीमती मंजू वैश्य द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार प्रदर्शन सहायक आपूर्ति अधिकारी संजय खरे द्वारा किया गया।

गेहूं उपार्जन और खाद्यान्न वितरण का कार्य न हो प्रभावित : कलेक्टर

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। अंतर जिला मिलिंग की धान के परिवहन में की गई अफरा-तफरी तथा इसमें मिलर्स के साथ संलिप्त नागरिक आपूर्ति निगम और समितियों के अधिकारियों-कर्मचारियों पर दर्ज हुई एफआईआर की वजह से गेहूँ के उपार्जन एवं खाद्यान्न वितरण का कार्य प्रभावित न हो इसे लेकर शुक्रवार को कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में सबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिला आपूर्ति नियंत्रक नुजहत बानो बकाई ने बताया कि बैठक में कलेक्टर सक्सेना द्वारा निर्देश दिये गये कि धान परिवहन में हुई हेरा-फेरी के इस प्रकरण में संलिप्त नागरिक आपूर्ति निगम तथा समितियों के अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध हुई एफआईआर से गेहूँ के उपार्जन तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली का कार्य प्रभावित हुए बिना सुचारू रूप से संचालित होता रहे। सक्सेना ने इस संबंध में समय रहते सभी जरूरी कार्यवाही एवं आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने की हिदायत भी अधिकारियों को दी। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, क्षेत्रीय प्रबंधक स्टेट सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन, क्षेत्रीय प्रबंधक स्टेट वेयर हाउसिंग कॉपोरेशन, उपायुक्त सहाकारिता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

विश्वजलदिवस पर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स लोकल सेंटर सेमिनार आज

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स लोकल सेंटर साउथ सिविल लाइन्स जबलपुर के तत्वावधान में 22 मार्च को शाम 6 बजे से विश्व जलदिवस पर ग्लेशियर संरक्षण थीम पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष इंजी. सुरेन्द्र सिंह पवार ने बताया कि इस सेमिनार में जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव चांडक मुख्य अतिथि रहेंगे, जबकि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया जबलपुर के सीनियर जियोलॉजिस्ट ए.एस. खान मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान देंगे। लोकल सेंटर के चेयरमेन संजय कुमार मेहता, संयोजक डॉ. संजय के वर्मा, मानसेवी सचिव डॉ. राजीव जैन, आयोजक सचिव राजेश ठाकुर एवं सहसंयोजक मनीष वाजपेई ने इस महत्वपूर्ण सेमिनार में इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों एवं अन्य से उपस्थिति की अपील की है।

बालिका संप्रेक्षण गृह की व्यवस्थाओं का जायजा

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। विदिशा जिला मुख्यालय पर संचालित बालिका संप्रेक्षण गृह की व्यवस्थाओं का जायजा शुक्रवार को न्यायाधीशगणों ने भ्रमण कर लिया है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा निर्देशनुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रमाकांत भारके, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितेंद्र सिंह तौमर ने संयुक्त रूप से जायजा लिया है। बालिका संप्रेक्षण गृह के निरीक्षण भ्रमण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रमाकांत भारके ने बालिका संप्रेक्षण गृह की व्यवस्था के रिकार्ड को दर्ज करने हेतु संधारित पंजीयों का निरीक्षण किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितेन्द्र सिंह तोमर ने बालिका संप्रेक्षण गृह के अभिरक्षा में रह रहीं बालिकाओं से चर्चा कर वस्तुस्थिति का जायजा में सभी व्यवस्थायें संतोषजनक पाई गईं। बालिका संप्रेक्षण गृह के अधीक्षक श्रीमति कृतिका व्यास द्वारा व्यक्त किया गया कि. यंहा पर 05 संभाग- भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, उज्जैन, ग्वालियर की 18 वर्ष तक की विधि का उल्लघंन करने के लिये अभिकथित बालिकाओं को अभिरक्षा में रखा जाता है, यंहा 50 बालिकाओं को रखने की व्यवस्था है।

तमाम बुनियादी सुविधाओं की शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को नटेरन विकासखण्ड क्षेत्र के उपार्जन केन्द्रो का भ्रमण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जन केन्द्रो पर शासन के दिशा निर्देशानुसार तमाम बुनियादी सुविधाओं की शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश उपार्जन ऐजेन्सियो को दिए है। कलेक्टर सिंह ने भ्रमण के दौरान उपार्जन केन्द्रो पर समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय करने हेतु आए किसानो से संवाद कर उपार्जन सुविधाओं का जायजा लिया। गौरतलब हो कि जिले में 185 केन्द्रो पर उपार्जन कार्य संचालित किया जा रहा है। इन केन्द्रो पर पंजीकृत किसानो के द्वारा स्लॉट बुक कर विक्रय हेतु गेंहू लाया जा रहा है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर 2600 रूपए प्रति क्विंटल के मान से गेंहू खरीदी कार्य किया जा रहा है जिसमें 175 रूपए बोनस राशि भी सम्मिलित है। कलेक्टर सिंह ने शुक्रवार को विदिशा तहसील के भूमिजा वेयर हाउस (हिनोतिया समिति), उदय वेयर हाउस, सूर्य वेयर हाउस (कागपुर समिति), नटेरन तहसील के सावरियां वेयर हाउस (विपणन सोसायटी), लज्जा वेयरहाउस (आमखेड़ा सूखा समिति) पर स्थापित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर केंद्र पर आवश्यक सुविधाओं, टैग, धागा, तौल कांटा किसानों की बैठने की उत्तम व्यवस्था का जायजा लिया।

पुस्तक मेला आज से, पुस्तक विक्रेताओं ने किया फैसला सभी तरह के डिस्काउंट के अलावा मेले में देंगे अतिरिक्त छूट

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, मंत्री कुशवाह व सांसद भारत सिंह करेंगे शुभारंभ

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

स्कूली बच्चों को उचित दाम पर किताबें, ड्रेस व स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप मेला परिसर स्थित दस्तकारी हाट बाजार (शिल्प बाजार) में 22 मार्च को दोपहर 2 बजे सात दिवसीय पुस्तक मेला (बुक फेयर) शुरू होगा। जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित हो रहे इस पुस्तक मेले का औपचारिक शुभारंभ इस दिन सायंकाल 5.30 बजे विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह एवं सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगणों की मौजूदगी में होगा। कलेक्टर रुचिका चौहान ने अभिभावकों व स्कूली विद्यार्थियों से पुस्तक मेले का लाभ उठाने की अपील की है। पुस्तक विक्रेताओं (ग्वालियर डिवीजन चिल्ड्रन बुक सेलर एसोसिएशन) ने पुस्तक मेले से किताबें, ड्रेस व स्टेशनरी खरीदने पर सभी तरह के डिस्काउंट (छूट) के अलावा अतिरिक्त छूट देने का निर्णय लिया है। व्यापारियों ने जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक मेला लगाने के निर्णय का स्वागत किया है। साथ ही कहा है कि पुस्तक मेले से विद्यार्थियों व अभिभावकों को सभी तरह के डिस्काउंट के अलावा पुस्तकों की खरीदी पर 5 प्रतिशत, स्टेशनी पर 10 प्रतिशत तथा यूनीफॉर्म व अन्य सामग्री की खरीदी पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट दी जायेगी। शिल्प बाजार परिसर में 22 मार्च से 29 मार्च तक आयोजित होने जा रहे इस पुस्तक मेले में ग्वालियर जिले में संचालित सभी प्राइवेट स्कूलों की पुस्तकों के सेट, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म सस्ती दर पर खरीदी जा सकेंगीं। मेले में पुस्तकों व स्टेशनी इत्यादि की 81 दुकानें लगेंगीं। कलेक्टर रुचिका चौहान ने शुक्रवार को शिल्प बाजार पहुँचकर पुस्तक मेले की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही इससे पहले अधिकारियों की बैठक लेकर पुस्तक मेले के सुव्यवस्थित आयोजन के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेले में पेयजल, शौचालय व प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पुख्ता व्यवस्था की जाए। साथ ही पेड फूड स्टॉल भी लगाए जाएं। उन्होंने पुस्तक मेला परिसर में अग्नि सुरक्षा व विद्युत सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखने पर भी विशेष जोर दिया। कलेक्टर चौहान ने यह भी निर्देश दिए कि पुस्तक मेला परिसर में साफ-सफाई के विशेष इंतजाम किए जाएं। जगह-जगह डस्टबिन रखें, जिससे मेले में कचरा न फैले। उन्होंने पुस्तक मेला परिसर की सुबह-शाम नियमित सफाई करने के निर्देश भी दिए।

रैम्प योजना के तहत होटल शॉन अलीजे में एनएसएमई कार्यशाला संपन्न

कार्यशाला में वभिन्न उद्योग संघों एवं उद्यमियों ने भागीदारी की

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

जबलपुर संभाग के लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के प्रदर्शन में सुधार लाने के उद्देश्य से रेजिंग एंड एक्सलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) योजना के तहत शुक्रवार को होटल शॉन अलीजे में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संभाग के जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्रों, विभिन्न उद्योग संघों एवं उद्यमियों ने भागीदारी की। कार्यशाला का शुभारम्भ उद्यमियों को रैम्प योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान कर किया गया। कार्यशाला में उद्यमियों को आईपीओ के माध्यम से फंड प्राप्त करने और रैंप योजना के अंतर्गत एनएसई एसएमई बोर्ड पर पंजीकरण करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इसके साथ ही ज़ीरो डिफेक्ट ज़ीरो इफेक्ट (जेड) योजना, एमएसएमई कॉम्पिटीटिव लीन स्कीम (एमसीएलएस) एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर भी विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम एवं रैम्प योजना के स्टेट नोडल अधिकारी अनिल थागले ने एनएसई के माध्यम से उद्योगों को वित्तीय संसाधन जुटाने के तरीकों पर प्रकाश डालते हुए योजना के उद्देश्य, मध्य प्रदेश सरकार की भूमिका और स्थानीय उद्योगों के लिए उपलब्ध संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की एसोसिएट वाइस प्रेसीडेंट सुश्री पार्वती मूर्ति ने उद्यमियों को स्टॉक लिस्टिंग प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि लगभग 15 उद्योगों ने एनएसई लिस्टिंग के लिए अपनी रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एसएमई इकोसिस्टम को मजबूत करने से न केवल यह लार्ज-स्केल इंडस्ट्रीज को आकर्षित करता है, बल्कि उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी भी बनाता है। एनएसई में लिस्टेड उद्यमों को वित्त के नए तरीकों के साथ साथ राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान भी प्राप्त होती है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तरीय उपभोक्ता कार्यक्रम का आयोजन

मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सीमा बाई कलायत ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तरीय उपभोक्ता कार्यक्रम का आयोजन लटेरी के चौरसिया पैलेस में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सीमा बाई कलायत, द्वारा नाप-तौल विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा लगाये गये स्टॉल एवं प्रदर्शिनों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया एवं उनके द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष भूपत सिंह गुर्जर, नगर परिषद् अध्यक्ष शैलेश संजय भंडारी नगर परिषद उपाध्यक्ष शिव चरण प्रजापति, मंडल अध्यक्ष राम गुलाम राजौरिया क्षेत्रीय पार्षद महोदय जितेन्द्र कुमार रघुवंशी एवं राजू सहरिया व अन्य जनप्रतिनिधि नेसहभागिता निभाई है। मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सीमा बाई कलावत ने कहा क दैनिक जीवन में सभी उपभोक्ता है और सभी को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिये। उनके द्वारा बताया गया कि उपभोक्ताओं को वस्तु खरीदते समय बिल अवश्य लेना चाहिये एवं छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना चाहिये।

डीएलसीसी की बैठक में हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा

शेष प्रकरणो में वित्त पोषण का कार्य दो दिवस में पूरा करें : कलेक्टर

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में डीएलसीसी की विशेष बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई थी। कलेक्टेउ्ट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया समेत विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी तथा लीड बैंक आफीसर भगवान सिंह बघेल और विभिन्न शाखाओं के बैंकर्स प्रतिनिधि मौजूद रहे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि बैंको द्वारा अधिकांश हितग्राहीमूलक योजनाओं में वित्त पोषण की कार्यवाही की गई है शेष प्रकरणो

में दो दिवस के भीतर वित्त पोषण की समुचित कार्यवाही पूरी करें ताकि विदिशा जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बनें कि हरेक हितग्राहीमूलक योजनाओं में शत प्रतिशत लक्ष्यों की पूर्ति करते हुए हितग्राहियों को योजनाओं के तहत चयनित व्यवसाय का संचालन उसी वित्तीय वर्ष में शुरू कराया गया है। कलेक्टर सिंह ने विभागवार वित्त पोषण के लंबित प्रकरण बैंकवार समीक्षा की और संबंधित बैंक व विभागो के अधिकारियों से कहा कि आपसी समन्वयक स्थापित कर दो दिवस के पूर्व ही शत प्रतिशत वित्त पोषण की कार्यवाही कर जिले को नवाचारो की श्रेणी में शामिल करें।

कलेक्टर ने एसडीएम और तहसील कार्यालय नटेरन का निरीक्षण किया

कलेक्टर ने राजस्व वसूली फार्मर आईडी और सीएम हेल्पलाइन पर विशेष जोर दिया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आज नटेरन क्षेत्र में खरीदी केन्द्रों का भ्रमण कर निरीक्षण करने के पश्चात एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय नटेरन में संपादित किये जा रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय परिसर, व्हीसी रूम, न्यायालय तहसीलदार नटेरन के राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति, राजस्व वसूली, फार्मर आईडी और सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों के निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया।

साथ ही साथ उन्होंने यहां नवीन निर्माणाधीन अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय अनुभाग नटेरन का भी निरीक्षण किया और अद्यतन स्थिति की जानकारी ली उनके द्वारा निर्देशित किया गया है कि शीघ्र ही निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने राजस्व वसूली के कार्यों को अगले 10 दिवस तक अभियान के रूप में क्रियान्वित करने और फार्मर आईडी शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। राजस्व प्रकरणों के संबंध में निर्देशित किया गया कि कोई भी प्रकरण 03 से 06 माह की अवधि में लंबित ना रहे का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर सिंह ने प्रवाचक तहसीलदार नटेरन को निर्देशित किया कि पूर्व के निराकृत प्रकरणो को शीघ्र ही जिला अभिलेखागार में जमा किये जाए। कोई भी प्रकरण ऑफलाईन दर्ज नहीं होना चाहिए। कानूनगो शाखा, नायब नाजिर शाखा में वर्तमान में किये जा रहे कार्यो की जानकारी ली गई। साथ ही वर्तमान में निर्वाचन से संबधित कार्यों की जानकारी ली गई और निर्देशित दिए हैं कि ईआरओ नेट पर जो भी फार्म 6, 7, 8 प्राप्त हो रहे हैं उन्हें प्रतिदिन निराकृत किया जाए एवं ईआरओ नेट पर डुप्लीकेट ईपिक को प्रतिदिन फार्म-8 जनरेट कर ई-रोल अपडेट किया जाए।

कृषि अधिकारियों ने गांधीग्राम के कृषक शिवबालक पटेल की डीबीडबल्यू-303 किस्म गेहूं की फसल का अवलोकन किया

इस दौरान सहायक संचालक रवि आम्रवंशी सहित क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

कृषि अधिकारियों ने शुक्रवार को विकासखंड सिहोरा के अंतर्गत ग्राम गांधीग्राम के कृषक शिवबालक पटेल द्वारा की जा रही डीबीडबल्यू-303 किस्म की गेहूं की फसल का अवलोकन किया। इस दौरान सहायक संचालक रवि आम्रवंशी, कीर्ति वर्मा एवं कृषि विस्तार अधिकारी बृषभान अहिरवार सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। कृषक शिवबालक पटेल ने बताया कि उन्होंने और लकी पटेल ने वर्ष 2021 में डीबीडबल्यू-303 किस्म की गेहूं की फसल लगाई थी। इस दौरान उन्होंने पाया कि डीबीडबल्यू -303 किस्म के गेहूं की कुछ बालिया बड़ी और मोटी होती हैं। किसानों द्वारा 15 से 20 बड़ी और मोटी इन बालियों को अलग निकालकर लगभग 500 ग्राम बीज तैयार किया गया, जिसे उन्होंने पुन: वर्ष 2022 में अपने खेत में अलग बोया और उससे पुन: 30 किलो बीज तैयार किया। इसी प्रकार कृषक पटेल द्वारा वर्ष 2023 में पुन: आधा एकड़ क्षेत्र से 11 क्विंटल गेहूं बीज तैयार किया गया। जिसमें से उन्होंने 1 क्विंटल गेहूं ग्राम पथरई के किसान लकी पटेल और 1 क्विंटल गेहूं ग्राम गांधीग्राम के किसान मोहित पटेल को दिया। यह बीज दोनों किसानों द्वारा वर्ष 2024-25 में अपने-अपने खेत में लगाया गया है । कृषक शिवबालक पटेल ने बताया कि उन्होंने स्वयं के 4 एकड़ खेत में इस बीज को बोया है। इस प्रकार यह बीज इस वर्ष 9 एकड़ में बोया गया है, जिसकी उपज 22 से 25 क्विंटल प्रति एकड़ प्राप्त होती है। अवलोकन के दौरान कृषि अधिकारियों द्वारा गेहूं की बालियों का अवलोकन किया गया है। इन बालियों की लम्बाई लगभग 8 इंच पाई गई एवं मोटाई भी बाकी गेहूं की अन्य किस्मों से ज्यादा पाई गई है। गेहूं फसल को आज क्षेत्र के कृषकों ने देख कर अपने खेत में बोने के लिए इस बीज की मांग की है। इसके साथ ही किसान पटेल ने अपने खेत के दूसरे हिस्से में हैप्पी सीडर द्वारा धान की पराली जलाए बिना गेहूं की डीबीडबल्यू -187 किस्म की बिना जुताई के सीधे बोनी की गई है। गेहूं की यह फसल 120 से 125 दिन में तैयार हो चुकी है। इस कारण ग्रीष्मकालीन फसल को पर्याप्त समय मिल गया है। कृषक पटेल द्वारा इसी खेत में शीघ्र ही हैप्पी सीडर के माध्यम से उड़द की बोनी की जानी है, जिससे बारिश के पूर्व ही उड़द की फसल तैयार हो जायेगी। हैप्पी सीडर से बोने में उन्हें कम लागत आई है और पानी भी कम लगा है।

राजमाता विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर प्रोजेक्ट मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी द्वारा किया गया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

राजमाता विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस एवं विश्व जल दिवस के उपलक्ष में एमएससी बॉटनी की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रोजेक्ट तथा पोस्टर्स की प्रदर्शनी वनस्पति शास्त्र विभाग में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी एवं सदस्य अशोक गोयल एवं महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक डॉक्टर नीता पांडे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीता पांडे ने छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से हमारे प्राकृतिक संसाधनों जैसे वन एवं जल स्त्रोतों के बारे में सामाजिक जागरूकता उत्पन्न होती है। वनस्पति शास्त्र विभाग की एमएससी द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा बायोगैस , स्मार्ट एग्रीकल्चर विधि, वर्मी कंपोस्टिंग, अपशिष्ट प्रबंधन, वाटर हार्वेस्टिंग,जैसे विभिन्न ज्वलंत विषयों पर अत्यंत गंभीरता से 10 प्रोजेक्ट मॉडलों तथा 9 पोस्टरो का निर्माण किया गया। इन सभी प्रोजेक्ट मॉडल के निर्माण का मार्गदर्शन एवं आयोजन, वनस्पति शास्त्र विभाग की फैकल्टी, श्रीमती नीतू दांगी तथा कुमारी सोनम साहू ने किया है ᑊ इन सभी मॉडलों में से स्मार्ट एग्रीकल्चर विधि मॉडल प्रोजेक्ट को सर्वोत्तम प्रोजेक्ट का पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर श्रीमती नीता दीक्षित, डॉ विनीता प्रजापति, श्री रामाशीष यादव श्रीमती दिव्या सक्सेना, तथा महाविद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

रोजगार और स्वरोजगार मेला में 207 आवेदकों का प्रारंभिक तौर पर चयन

291 हितग्राहियों को 5 करोड़ 34 लाख से अधिक के ऋण स्वीकृत

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

युवाओं को निजी कंपनियों के विभिन्न पदों पर चयन करने तथा शासकीय योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगारोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से शासकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय सिरोंज में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला सम्पन्न हुआ। रोजगार मेले का शुभारंभ सिरोंज नगरपालिका अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू, जनपद पंचायत, उपाध्यक्ष श्रीमती शशि राकेश शर्मा, श्री हमीर सिंह यादव, विधायक प्रतिनिधि एवं पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष, श्री शिवकुमार भार्गव, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति, श्री वलजीत यादव, पार्षद नगरपालिका, सिरोंज द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न सेक्टर की कुल 15 कंपनियों द्वारा पंजीकृत 426 आवेदकों में से 207 आवेदकों का प्रारंभिक तौर पर चयन किया गया तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 291 हितग्राहियों को 5करोड़ 34 लाख से अधिक के ऋण स्वीकृत एवं वितरित किये गये। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री अशोक श्रीवास्तव द्वारा युवा संगम कार्यक्रम के उद्देशों को रेखांकित करते हुये विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इसी प्रकार अन्य विभागों द्वारा भी उनके द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी जैसे- प्रधापमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री इन्टर्नशिप स्कीम, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के साथ-साथ आईटीआई में एडमीशन के विषय में जानकारी दी गई।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा बोले: नक्सलमुक्त पंचायतों को मिलेंगे एक करोड़ रुपए, सुविधाएं भी मिलेंगी

सरकार और फोर्स ही नहीं बल्कि जनता भी नक्सलवाद के खात्मे के लिये पूरी तरह से तैयार

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने विधानसभा परिसर में पिछले दिनों बीजापुर, कांकेर और नारायणपुर जिलों में 30 नक्सलियों के एनकाउंटर में मारे जाने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब केवल सरकार और फोर्स ही नहीं बल्कि जनता भी नक्सलवाद के खात्मे के लिये पूरी तरह से तैयार है। राज्य सरकार नक्सलमुक्त पंचायतों (नक्सलमुक्त गांव) को विकास कार्यों के लिये एक करोड़ रुपये देगी। छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे विकास कार्य यह बयां करता है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब शांति और समृद्धि का नया युग आने वाला है। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक बस्तर से नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य रखा है। सीएम साय के नेतृत्व में इस अभियान में और तेजी आयेगी। सुरक्षा बलों ने पिछले दिनों सघन सर्च ऑपरेशन में 30 नक्सली मारे गए हैं। बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र में डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर्स, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन में 26 नक्सली मारे गयेय। वहीं कांकेर और नारायणपुर के बॉर्डर इलाके में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में 4 अन्य नक्सली ढेर हुए। इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने एके-47, एसएलआर, इंसास, 303 राइफल, रॉकेट लॉन्चर और बीजीएल लॉन्चर सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को तेज़ी से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। हाल ही में 577 मोबाइल टावरों की स्थापना की गई है, जिससे दूरसंचार सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ है। बीजापुर से पामेड़, नारायणपुर से मस्कुल, दंतेवाड़ा से अरनपुर, और जगारगुंडा तक बस सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मुठभेड़ में एक महिला समेत चार नक्सली ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

कांकेर (एजेंसी)। कांकेर जिले के छोटेबेठिया क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों बीच मुठभेड़ में एक महिला नक्सली समेत चार नक्सली एनकाउंटर में मारे गए है। छोटेबेठिया क्षेत्र के ग्राम कुरूषनार जंगल पहाड़ी क्षेत्र में ये मुठभेड़ हुई है। कांकेर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलीसेला ने बताया कि मारे गए नक्सलियों में दो की पहचान हुई है। जिसमे एक नक्सली मिलिट्री कंपनी नम्बर 5 सदस्य लोकेश हेमला था जिसके ऊपर 08 लाख रूपये का इनाम था वही दूसरा जगत उर्फ गगन प्लाटून नम्बर-17/ किसकोड़ो एलओएस सदस्य था जिसके ऊपर 2 लाख रूपये का इनाम था।

वहीं 1 एसएलआर, 1 नग 303 रायफल ऑटोमटिक, सेमीऑटोमटिक सहित गोला बारूद व अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। डीआरजी/बीएसएफ की संयुक्त टीम दिनांक 18 मार्च को कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सल गस्त सचिंग पर रवाना हुये थे। नक्सल गस्त सर्चिंग के दौरान दिनांक 20 मार्च की सुबह 10 बजे लगभग थाना छोटेबेटिया के ग्राम कुरूषनार के जंगल पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस नक्सली मुठभेड़ हुआ। पुलिस पार्टी द्वारा घटना स्थल का सर्चिंग करने पर घटना स्थल से 4 नक्सलियों के शव बरामद हुए थे।

दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत, छह की हालत गंभीर

अचानक आई तेज आंधी और बारिश से हुआ हादसा

कोरबा (एजेंसी)।

जिले में मौसम का मिजाज बदला अचानक आई आंधी और बारिश से दीवार गिरने से बड़ा हादसा सामने आई है।कटघोरा के न्यू वैष्णवी राईस मिल का दीवार ढहने से 2 मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई वही 6 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है की शुक्रवार की दोपहर 4.00 बजे लगभग या घटना सामने आई है इस हादसे के बाद मौके पर हड़कप मच गया और चिक पुकार मच गया। बताया जा रहा है कि मलबे में और मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है।सूचना पर कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल,घायलों को डायल 112 की मदद से कटघोरा अस्पताल के लिए रवाना किया गया।पुलिस गिरे हुए दीवार के मलबा में दबे हुए एक मजदूर के शव को बाहर निकाला गया है रेस्कयू कार्य है जारी। बताया जा रहा है कि कटघोरा थाना क्षेत्र के ग्राम लखनपुर बरभाटा पर न्यू वैष्णवी राइस मिल संचालित है बता जा रहा है जिसका संचालक गोलू अग्रवाल है। जहां काफी संख्या में मजदूर राइस मिल में काम कर रहे थे इस दौरान अचानक काफी लंबा चौड़ा दीवार अचानक ढह गया और यह घटना सामने आई।बताया जा रहा है कि इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है वहीं कई लोग घायल है आशंका जताई जा रही है कि और भी लोग उसमें दबे होंगे। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे हुए हैं और आगे की कार्यवाही जारी है।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ सभी शव और बड़ी मात्रा में हथियार बरामद

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच गुरुवार को हुआ था आमना-सामना

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच कल हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ में 30 माओवादियों को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया था। मुठभेड़ के बाद हथियार, गोला-बारूद और मारे गए 30 नक्सलियों के शवों की तस्वीरें सामने आई हैं। दरअसल गुरुवार को जवानों ने बड़ी सफलता हासिल की। बीजापुर और कांकेर जिले में नक्सलियों और सुरक्षाबलों की अलग-अलग मुठभेड़ हुई। बीजापुर में हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए और बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक जवान बलिदान हो गया। वहीं, कांकेर में चार नक्सली ढेर हुए हैं। सभी 30 नक्सलियों के शव बरामद कर लिये गए हैं। आटोमैटिक हथियार सहित अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गई है। नक्सली मुठभेड़ में 30 माओवादियों के मारे जाने के बाद छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि हम अपने सुरक्षाबलों के प्रयासों की सराहना करते हैं। 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करना केंद्रीय गृहमंत्री का भी संकल्प है। हमें पूरा विश्वास है कि उनका संकल्प पूरा होगा। यह डबल इंजन वाली सरकार का फायदा है। सीएम साय ने कहा कि क्रूर, निरंकुश नक्सलवाद का अंत उचित है, भयमुक्त होगा बस्तर 2026 तक यह सुनिश्चित है। प्रदेश में नक्सलवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई मजबूती से जारी है। मुठभेड़ के दौरान मारे गए नक्सलियों पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों को सफलता मिल रही है। हमारे सीएम विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम विजय शर्मा 2026 तक राज्य को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त करने के अभियान में लगे हुए हैं।

राज्य सरकार मीसाबंदियों को फिर से सम्मान निधि देगी विधेयक पारित, भूपेश सरकार ने किया था बंद

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने मीसाबंदियों को लेकर बड़ा फैसला लिया

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने मीसाबंदियों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार मीसाबंदियों को फिर से सम्मान निधि देगी। इस संबंध में प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि लोकतंत्र के सेनानियों का सम्मान करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।

इसके मुताबिक, आपातकाल के दौरान जो मीसाबंदी जेल में रहे। 19-19 महीना जेल की सजा काटी। इस वजह से उनका परिवार बर्बाद हो गया था। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने मीशाबंदियों के सम्मान में एक कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे कांग्रेस की सरकार ने बंद कर दी थी। अब प्रदेश में बीजेपी की सरकार है तो अब सम्मान निधि को दोबारा चालू किया जा रहा है। पिछले पांच साल मीसाबंदियों जो पेंशन नहीं मिली है, उसे एकमुश्त दिया जायेगा। सीएम साय ने कहा कि इसे लेकर कानूनी रूप दिया गया है ताकि आगे चलकर भविष्य में कोई सरकार नहीं बदल सके। उनके सम्मान निधि में कोई किसी तरह की कोई कटौती न हो। उन्हें बराबर सम्मान मिलता रहे। इसके लिए विधेयक पास किया गया है। छत्तीसगढ़ में करीब 350 लोकतंत्र सेनानी या मीसाबंदी हैं। इसी साल फरवरी में सरकार ने मीसाबंदियों के लिए पेंशन योजना को बहाल किया था, जिसे 2019 में कांग्रेस सरकार ने रोक लगा दी थी। मीसाबंदियों के लिए राज्य में पहली बार साल 2008 में रमन सरकार में यह पेंशन योजना शुरू हुई थी। मीसाबंदियों को तीन अलग-अलग श्रेणियों में 10 हजार रुपये से 25 हजार रुपये प्रति माह तक पेंशन दी जाती है। 25 जून 1975 की आधी रात को देशभर में आपातकाल लागू कर दिया गया था।

देश-विदेश

शंभू -अंबाला हाईवे से हटे किसान, पुलिस कार्यवाही से सालभर बाद यातायात बहाल

प्रशासन के लगातार प्रयास से खनौरी बॉर्डर भी जल्द ही खुलने की उम्मीद

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद शंभू-अंबाला हाईवे पर एक साल बाद यातायात बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही, खनौरी बॉर्डर पर भी हरियाणा पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है, जिससे यह उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही यह बॉर्डर भी खोल दिया जाएगा।

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया था और बॉर्डर पर बने अस्थायी ढांचों को ध्वस्त कर दिया था। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर लंबे समय से किसान प्रदर्शन कर रहे थे। प्रशासन अब वहां पर सड़कों को साफ करवाने में जुटा है। एक तरफ पंजाब सरकार की कार्रवाई तो दूसरी ओर, पुलिस कार्रवाई से नाराज किसानों ने मोगा, तरनतारन, मुक्तसर और फरीदकोट में विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है। प्रदर्शनकारी किसानों का दावा है कि हिरासत में लिए गए किसान नेताओं ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

महिलाओं के नेतृत्व में धरना : मोगा में महिलाओं के नेतृत्व में एक समूह ने डिप्टी कमिश्नर के ऑफिस के बाहर धरना दिया। जब पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश की, तो दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शनकारी किसानों पर हुई इस कार्रवाई से देश की राजनीति भी गर्मा गई है। पंजाब में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने किसानों के प्रति समर्थन जताते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था और यातायात की बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी पर चुनावी लाभ के लिए प्रदर्शन स्थल खाली कराने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने दोनों दलों की आलोचना करते हुए इसे किसानों के साथ धोखा बताया है। बावजूद इसके स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है, और किसान संगठनों ने अपने अगले कदम को लेकर रणनीति तैयार करने की बात कही है।

पाकिस्तान को पहुंचा रहा था अहम जानकारियां आरोपी इंजीनियर दीपराज चंद्र गिरफ्तार

दो अन्य संदिग्धों की तलाश जारी, केंद्रीय एजेंसियों ने की जांच शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारतीय खुफिया एजेंसियों ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के एक इंजीनियर को पाकिस्तान में अपने आकाओं से संवेदनशील जानकारियां साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसमें संचार और रडार प्रणालियों से जुड़ी जानकारियां शामिल हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि बीईएल कर्मी ने महत्वपूर्ण फैसलों और यहां निर्मित उत्पादों के बारे में जानकारी साझा की थी।

उन्होंने कहा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में दीपराज चंद्रा (36) वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। खुफिया अधिकारियों और सैन्य खुफिया अधिकारियों ने उसे पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में रहने के कारण हिरासत में लिया है। उसने अत्यधिक गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंत्री ने बताया कि यूपी का रहने वाला दीपराज चंद्रा से कई जानकारियां जुटाई गई हैं। उन्होंने कहा कि वह देशद्रोह में शामिल था। उसने देश द्वारा निर्मित उपकरणों के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी और निर्णय साझा किए थे। सैन्य खुफिया विभाग आगे की कार्रवाई कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक दीपराज चंद्रा गाजियाबाद (यूपी) का रहने वाला है और बीईएल की शोध टीम में कार्यरत था। चंद्रा को बिटकॉइन के भुगतान के एवज में भारतीय सरकारी कार्यालयों की संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान के साथ साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि चंद्रा ने पाकिस्तान में किसके साथ ये संवेदनशील जानकारियां साझा की है। चंद्रा ईमेल, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे कूट संचार माध्यमों का इस्तेमाल करता था।

राष्ट्रगान के दौरान हिलते-डुलते, हंसते और हाथ जोड़ते नजर आए सीएम नीतीश कुमार

विधानसभा में हंगामा, विपक्ष ने कहा-राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

पटना (एजेंसी)।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) समेत अन्य विपक्षी दलों ने शुक्रवार को विधानसभा में हंगामा किया। सुबह 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश के वीडियो पर निशाना साधते हुए कार्य स्थगन का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। इसके बाद विपक्षी विधायक वेल में उतरकर हंगामा करने लगे। इस दौरान कुछ विधायक रिपोर्टर टेबल पर चढ़ गए। स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। पहली पाली में सदन की कार्यवाही मात्र 8 मिनट ही चल सकी। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी विधायकों ने विधानसभा पोर्टिको में भी सीएम नीतीश के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। तेजस्वी समेत अन्य विपक्षी सदस्य हाथों में पोस्टर लेकर विधानसभा पहुंचे। इससे पहले आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को सीएम नीतीश का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें सीएम नीतीश एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान के दौरान हिलते-डुलते, हंसते और हाथ जोड़ते दिख रहे हैं। अब इस वीडियो पर विधानसभा में हंगामा हो गया। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि सीएम नीतीश कुमार बड़े हैं।

हाईकोर्ट के जज के आवास पर नकदी मिलने पर धनखड़ का तंज, राजनेता, नौकरशाह या उद्योगपति होता तो चर्चा में आ जाता

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सत्र में मुद्दा उठाकर न्यायिक जवाबदेही पर सभापति से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली हाईकोर्ट के एक मौजूदा जज के सरकारी आवास से नकदी की बरामदगी से जुड़ा मामला शुक्रवार को राज्यसभा में उठाया गया। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैं इस मुद्दे पर एक व्यवस्थित चर्चा बहस कराने की कोशिश करुंगा।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सत्र में मुद्दा उठाकर न्यायिक जवाबदेही पर सभापति से जवाब मांगा और इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज के खिलाफ महाभियोग के संबंध में लंबित नोटिस के बारे में याद दिलाई। कांग्रेस सांसद रमेश ने कहा कि शुक्रवार सुबह, हम सभी ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के आवास पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के चौंकाने वाले मामले के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इसके पहले, 50 सांसदों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों के संबंध में सभापति को एक नोटिस सौंपा था। रमेश ने कहा कि सभापति धनखड़ ने खुद बार-बार न्यायिक जवाबदेही के बारे में बात की है। कांग्रेस नेता रमेश ने धनखड़ को याद दिलाया कि उन्होंने मुद्दे पर सदन के नेता को निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया इस पर कुछ टिप्पणियां करें और न्यायिक जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रस्ताव के साथ आने के लिए केंद्र सरकार को आवश्यक निर्देश दें। नकदी की कथित बरामदगी के मुद्दे पर सभापति धनखड़ ने कहा कि उन्हें जिस बात की चिंता है वह यह है कि घटना हुई लेकिन तत्काल सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी घटना किसी राजनेता, नौकरशाह या उद्योगपति से जुड़ी होती, तब संबंधित व्यक्ति तुरंत निशाना बन जाता।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

रुस के परमाणु एयरबेस पर यूक्रेन ने किया बड़ा हमला

मास्को (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में एक बड़ा मोड़ आ गया है। यूक्रेनी सेना ने रूस के एंगेल्स एयरबेस पर हमला कर उसे बुरी तरह तबाह कर दिया। यह वही एयरबेस है, जहां से रूस के परमाणु हमले के लिए तैयार किए गए बमवर्षक विमान संचालित होते थे। इस हमले को यूक्रेन का अब तक का सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। रूसी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोवियत युग के एंगेल्स एयरबेस पर हुए इस हमले के बाद धमाकों की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दी। बताया जा रहा है कि हमला इतना जबरदस्त था कि वहां मौजूद टुपोलेव टीयू-160 परमाणु बमवर्षक विमान भी इसकी चपेट में आ गए। इन विमानों को व्हाइट स्वान के नाम से भी जाना जाता है। हमले का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि धमाकों के बाद आसमान में आग के ऊंचे गुबार उठे और चारों ओर तबाही का मंजर नजर आया। इस हमले में 10 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि रूस ने अभी तक हताहतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने इस हमले की पुष्टि की और कहा, कि उसकी फोर्स ने रूस के कई रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया है।

अफगानिस्तान में भूकंप के जोरदार झटके

काबुल (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में एक बार फिर धरती कांपी है। गुरुवार और शुक्रवार की रात करीब 1 बजे अफगानिस्तान में 4.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, इस भूकंप की गहराई 160 किमी थी। हालाँकि, अब तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन झटके महसूस होते ही लोग डरकर घरों से बाहर निकल आए। देर रात आए भूकंप के कारण अफगानिस्तान के कई हिस्सों में लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, कम गहराई वाले भूकंप अधिक खतरनाक हो सकते हैं। इन भूकंपों में अधिक ऊर्जा सतह के नज़दीक निकलती है, जिससे जमीन तेज़ी से हिलती है और इमारतों को ज्यादा नुकसान होने की आशंका रहती है।

अमेरिका बना रहा चीन पर हमले की रणनीति, मस्क को जिम्मेदारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क ने चीन से संभावित युद्ध पर आधारित गोपनीय ब्रीफिंग में लगभग 20 से 30 स्लाइड्स देखी है। यह चीन के खिलाफ युद्ध की स्थिति में अमेरिका की योजनाओं को दर्शाती हैं। इस दौरान यह भी चर्चा की गई कि चीन के किस ठिकानों को निशाना बनाया जाए। किस समयावधि में उन्हें लक्ष्य बनाना है। अंतिम मंजूरी के लिए ट्रंप के समक्ष यह योजना प्रस्तुत की जाएगी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अरबपति दोस्त एलन मस्क को पेंटागन की टॉप सीक्रेट योजनाओं तक पहुंच मिल चुकी है। इस बात की संभावना जताई जा रही है कि अगर चीन के साथ युद्ध होता है तो अमेरिका की सैन्य रणनीतियों पर चर्चा का जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क शुक्रवार को पेंटागन के रक्षा विभाग के कार्यालयों का दौरा करने वाले हैं।

आइपीएल के पहले मैच में आज आमने-सामने होंगे केकेआर-आसीबी, नए कप्तानों के साथ उतरेंगी टीमें

केकेआर की कप्तानी जहां आजिंक्य रहाणे करेंगे, वहीं आरसीबी की कमान रजत पाटीदार संभालेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र का पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और उपविजेता रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। इस बार दोनो ही टीमें नये कप्तानों के साथ उतरेंगी। केकेआर की कप्तानी जहां आजिंक्य रहाणे करेंगे, वहीं आरसीबी की कमान रजत पाटीदार संभालेंगे। पिछले साल केकेआर ने जबरदस्त प्रदर्शन कर ट्रॉफी जीती थी। जिसे अब वह बरकरार रखना चाहेगी। दोनों ही टीमों के रिकॉर्ड को देखें तो केकेआर इस मैच में आरसीबी पर भारी पड़ती दिख रही है। इसका कारण है कि केकेआर अपने घरेलू मैदान पर ये मुकाबला खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर काफी संतुलित है पर इसके बाद भी उसके लिए जीतना इतना भी आसान नहीं होगा क्योंकि आरसीबी काफी मजबूत टीम है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाजी है। पिछले साल केकेआर के लिए खेलने वाले फिल सॉल्ट भी इस बार आरसीसी से खेल रहे हैं और वह केकेआर की रणनीति अच्छी तरह से जानते हैं। इसके अलावा आज तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी आरसीबी इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। आरसीबी को इस बार अपना सपना पूरा करने के लिए पहले ही मैच से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं अंतिम ग्यारह की बात करें तो विराट के साथ साल्ट पारी शुरु कर सकते हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल नंबर तीन पर जबकि पाटीदार नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। टीम जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार को भी अंतिम ग्याहर में शामिल कर सकती है। टीम को हालांकि अनुभवी बल्लेबाज फॉफ डूप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल की कमी खलेगी।

रहाणे के लिए इसलिए भी परेशानी है क्योंकि इस बार कोच के तौर पर टीम के पास गौतम गंभीर नहीं हैं। साल्ट के नहीं होने से टीम पारी की शुरुआत सुनील नरेन और क्विंटन डी कॉक से करा सकती है। रहाणे नंबर तीन पर बैटिंग के लिए आ सकते हैं। वेंकटेश अय्यर और रिंकू सिंह की के अलावा टीम को आंद्रे रसेल और रमनदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम के लिए मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतर पैदा कर सकते हैं। उनके अलावा टीम के पास नरेन जैस स्पिनर भी है जो विरोधी पारी को ध्वस्त करने में सक्षम है।

दोनो की संभावित अंतिम ग्यारह

कोलकाता नाइट राइडर्स –अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा/वरुण चक्रवर्ती

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर –रजत पाटीदार (कप्तान),फिलिप साल्ट, विराट कोहली , देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा/रसिक डार सलाम

अपनी मिस्ट्री से बल्लेबाजों को परेशान करने की फिराक में वरुण चक्रवर्ती

नई गेंदों पर कर रहा हूं काम, निरंतरता ही सफलता की कुंजी है

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। इसी के साथ अगले दो महीने के लिए क्रिकेट के उत्सव की शुरुआत होगी। यह लीग खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका देता है। इस लीग ने दुनियाभर के देशों को कई स्टार क्रिकेटर्स दिए हैं। भारत को भी वरुण चक्रवर्ती के रूप में एक स्टार मिला। वरुण की दमदार गेंदबाजी की बदौलत भारत हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कामयाब रहा था। अब यह मिस्ट्री स्पिनर आईपीएल में कहर बरपाने को तैयार है। आईपीएल में अपनी छाप छोड़ने के लिए वह मिस्ट्री गेंद पर काम कर रहे हैं। इसका खुलासा उन्होंने खुद किया है। वरुण कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा हैं और पिछले साल टीम को चैंपियन बनाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

वरुण आर्किटेक्ट से क्रिकेटर बने हैं और इस खिलाड़ी का सफर शानदार रहा है। वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान नौ विकेट हासिल किए थे और कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ स्पिन की शानदार चौकड़ी बनाई थी। वरुण का मानना है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और वह अपनी कला में नयी विविधता जोड़ने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सबसे अहम चीज निरंतरता पर काम करना है जो महारत हासिल करने के लिए सबसे मुश्किल चीज है और मैं इसे हासिल करने के लिए लगातार काम कर रहा हूं। वरुण ने कहा, साथ ही मैं कुछ अन्य गेंदों पर भी काम कर रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि आने वाले मैचों में मैं इनका इस्तेमाल करके अछा प्रदर्शन करूंगा। मौजूदा चैंपियन केकेआर की टीम शनिवार को ओपनिंग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से भिड़ेगी। इस सत्र के सबसे प्रतीक्षित मुकाबलों में से एक में वरुण का सामना आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से होगा।

इस सीजन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे हार्दिक पांड्या : मार्क बाउचर

फ्रेंचाइजी इस सीजन अपने कोर ग्रुप को बरकरार रखने में सफल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर और मुंबई इंडियंस के पूर्व मुख्य कोच मार्क बाउचर को भरोसा है कि हार्दिक पांड्या इस सीजन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हार्दिक को पिछले सीजन से पूर्व रोहित शर्मा की जगह टीम का कप्तान बनाया गया था, लेकिन इससे रोहित के प्रशंसक काफी नाराज हुए थे और उन्होंने हार्दिक की हूटिंग शुरू कर दी थी। मुंबई की टीम 2024 सीजन में तालिका में सबसे नीचे रही थी। बाउचर 2023 और 2024 में मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच रहे थे, लेकिन इस बार उनकी जगह माहेला जयवर्धने ने ली है। फ्रेंचाइजी इस सीजन अपने कोर ग्रुप को बरकरार रखने में सफल रही है जिसमें हार्दिक, रोहित, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा शामिल हैं।

हार्दिक के नेतृत्व में मुंबई की टीम पिछले सीजन प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। आईपीएल सत्र से पहले मीडिया से बातचीत में बाउचर ने कठिन समय के दौरान खुद को नियंत्रित रखने के लिए हार्दिक की सराहना की। बाउचर ने भरोसा जताया कि मुंबई का ड्रेसिंग रूम इस बार काफी संतुलित नजर आ रहा है।

क्रिस गेल का सर्वोच्च रन बनाने का रिकॉर्ड टूटेगा, रोहित शर्मा के पास भी उपलब्धियां हासिल करने का होगा मौका

पिछले 17 सत्रों में विस्फोटक बल्लेबाजी से लेकर कमाल की गेंदबाजी के साथ बेहतरीन फील्डिंग देखने को मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 की शुरुआत होने जा रही है और हर बार की तरह इस बार भी कुछ रिकॉर्ड बनने की उम्मीद रहेगी। आईपीएल की शुरुआत 2008 में हुई थी और यह उसका 18वां सत्र होगा।

कुछ ऐसे चुनिंदा खिलाड़ी हैं जो पहले संस्करण से इस लीग का हिस्सा हैं और अभी भी खेल रहे हैं। इस लीग के पिछले 17 सत्रों में विस्फोटक बल्लेबाजी से लेकर कमाल की गेंदबाजी के साथ बेहतरीन फील्डिंग देखने को मिले हैं। कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं जो रिकॉर्ड बनाने के करीब हैं इनमे रोहित शर्मा भी शामिल हैं।

आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है।

गेल ने पुणे वॉरियर्स के खिलाफ धमाकेदार पारी खेली थी और 66 गेंदों पर 175 रन बनाए थे। गेल का यह रिकॉर्ड अभी भी बरकरार है और दुनिया का कोई बल्लेबाज इसे नहीं तोड़ सका है। टी20 में हर बदलते दिन के साथ गेम आक्रामक हो रहा है और इस बार उम्मीद की जा रही है कि गेल का यह रिकॉर्ड टूटता देखने मिले। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए यह आईपीएल यादगार रह सकता है और उनके पास शिखर धवन को पीछे छोड़कर आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बनने का मौका रहेगा। रोहित ने आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया है और 2008 से 2024 तक 257 मैच खेले हैं। रोहित ने इस दौरान 6628 रन बनाए हैं और वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे आगे धवन हैं जिन्होंने 6769 रन बनाए हैं। यानी रोहित अगर इस सीजन 142 रन बनाने में सफल रहे तो वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे।

न्यूजीलैंड पर पाकिस्तान की रिकॉर्ड जीत में चमके 22 साल के हसन, 44 गेंदों में शतक पूरा किया

पाक के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाया, उठी बाबर-रिजवान के संन्यास की मांग

ऑकलैंड (एजेंसी)। पाकिस्तान ने शुक्रवार को ऑकलैंड में करिश्माई प्रदर्शन करते हुए टी20 में रिकॉर्ड स्कोर चेज किया और न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज में पाकिस्तान की वापसी हुई है। हालांकि, तीन मैचों के बाद भी पाकिस्तान 1-2 से पीछे है। सीरीज का अगला मैच 23 मार्च को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 204 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान ने 16 ओवर में एक विकेट गंवाकर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। पाकिस्तान के लिए केवल तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे 22 वर्षीय हसन नवाज ने 21 मार्च को बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपने देश के लिए सबसे तेज टी20 शतक जड़ा। हसन के अलावा कप्तान सलमान अली आगा 31 गेंदों पर 51 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि मोहम्मद हारिस ने 20 गेंद में 41 रन की पारी खेली। आश्चर्य की बात तो यह है कि हसन अपने शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट हुए थे। हालांकि, तीसरी पारी में उन्होंने कहर बरपाया और सिर्फ 45 गेंदों पर 105 रन बनाए। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में सात छक्के और दस चौके लगाए। उन्होंने प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने के बाद कहा, %पहले दो मैचों में जिस तरह से मैं आउट हुआ उससे मैं निराश था, लेकिन कप्तान सलमान और उपकप्तान शादाब खान ने मुझे मेरा स्वाभाविक खेल खेलने का समर्थन किया। मेरे दिमाग में केवल एक चीज थी कि सिंगल लेकर पहले खाता खोलना है और मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला रन बनाने के बाद सुकून महसूस किया।

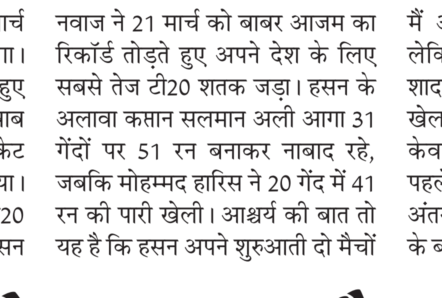

मिंज से लेकर 13 साल के वैभव तक, पहली बार लीग खेल रहे इन आठ युवा क्रिकेटर्स

लीग के जरिये युवा रि केटर्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। इस लीग के जरिये युवा क्रिकेटर्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। इस लीग से कई स्टार्स उभर कर सामने आए और उन्होंने देश का भी लंबे समय तक प्रतिनिधित्व किया या कर रहे हैं। सिर्फ भारत नहीं, विदेशी खिलाड़ी भी इस लीग में चुने जाने का इंतजार करते हैं। इस साल भी आईपीएल में कई खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार खेलते दिखेंगे। हम उनमें से आठ ऐसे खिलाड़ियों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आगे चलकर सुपरस्टार बनने का दमखम है।

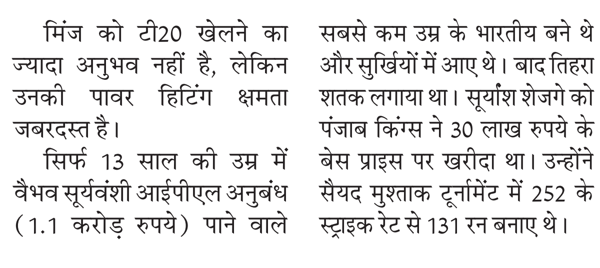

मिंज को टी20 खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है, लेकिन उनकी पावर हिटिंग क्षमता जबरदस्त है।

सिर्फ 13 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी आईपीएल अनुबंध (1.1 करोड़ रुपये) पाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने थे और सुर्खियों में आए थे। बाद तिहरा शतक लगाया था। सूर्यांश शेजगे को पंजाब किंग्स ने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। उन्होंने सैयद मुश्ताक टूर्नामेंट में 252 के स्ट्राइक रेट से 131 रन बनाए थे।

आईपीएल के उद्घाटन मैच पर मंडराए संकट के बादल, कोलकाता में भारी बारिश का अलर्ट

इन सभी चीजों के बीच मौसम विभाग के अलर्ट ने प्रशंसकों में चिंता पैदा कर दी

कोलकाता (एजेंसी)। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम रजत पाटीदार की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच से आईपीएल 2025 में अपना अभियान शुरू करने के लिए तैयार है।

इस मैच से पहले उद्घाटन समारोह भी होना है जिसमें मशहूर गायिका श्रेया घोषाल और बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। मैच से ठीक पहले मौसम ने फैंस की चिंता बढ़ा दी है। केकेआर और आरसीबी के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर खेला जाना है।

इस मैच के लिए प्रशंसकों में काफी दीवनगी देखने को मिल रही है। कोलकाता के फैंस भले ही घरेलू मैदान पर टीम को विजयी शुरुआत करते हुए देखना चाहेंगे, लेकिन मैच में विराट कोहली का क्रेज भी देखने मिलेगा। इन सभी चीजों के बीच मौसम विभाग के अलर्ट ने प्रशंसकों में चिंता पैदा कर दी है।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को कोलकाता में बारिश की संभावना जताई है। यहां तक कि 22 मार्च को ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग की मानें तो शनिवार को कोलकाता में बारिश होने की संभावना 74 प्रतिशत है, जबकि पूरे दिन बादल छाए रहने का अनुमान लगाया गया है। शाम होते-होते बारिश की संभावना 90 प्रतिशत है। अगर बारिश हुई तो आईपीएल 2025 के पहले मैच में खलल पड़ सकता है। केकेआर और आरसीबी के बीच मैच का नतीजा निकल पाएगा इसे लेकर कुछ भी कहना कठिन है। वहीं, शाम के समय उद्घाटन समारोह भी होना है, लेकिन बारिश हुई तो इसमें भी व्यवधान पड़ सकता है।

कमेंटेटर के तौर पर डेब्यू करने के लिए तैयार केन विलियमसन

आईपीएल और विराट कोहली को जमकर सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन करियर की अगली चुनौती के लिए तैयार हैं। विलियमसन इस बारे में आईपीएल में खेलते नजर नहीं आएंगे, लेकिन वह आईपीएल 2025 से कमेंटेटर के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। आईपीएल के 18वें सत्र की शुरुआत शनिवार से हो रही है और विलियमसन ने इस लीग की सराहना करते हुए इसे दुनिया की सबसे बड़ी लीग में से एक बताया। आईपीएल 2025 की शुरुआत गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर खेला जाएगा। विलियमसन ने कहा, आईपीएल ऐसी लीग है जिसने इस खेल को काफी विकसित किया है। भारत में इसका अलग ही क्रेज है। यहां के 150 करोड़ लोग इस खेल के दीवाने है जो इसमें शामिल होने वाले युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। दुनियाभर के खिलाड़ियों के लिए इसमें खेलने एक अच्छा मौका है। मालूम हो कि विलियमसन को नीलामी में किसी ने नहीं खरीदा था।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

ऋषभ पंत चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें : सुरेश रैना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल से ठीक लखनऊ सुपर जायंट्स के नये कप्तान ऋषभ पंत को सलाह दी है कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें। रैना का मानना है कि इससे ऋषभ को बेहतर तरीके से पारी समाप्त करने का अवसर मिलेगा। रैना ने कहा कि मुझे लगता है कि यह सत्र ऋषभ के लिए काफी अहम होगा। इसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह छोटे प्रारुप के लिए भी भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेंगे। रैना ने कहा कि अगर आप उनकी कप्तानी देखेंगे, तो वह काफी खुशमिजाज और काफी इनोवेटिव हैं। उनमें वह शांति और चतुर नेतृत्व क्षमता जो कप्तानी के लिए जरुरी है। मैं वास्तव में चाहता हूं कि वह तीसरे नंबर पर खेलें। लेकिन उनकी टीम को देखें, उनके पास निकोलस पूरन, डेविड मिलर और एडेन मार्करम हैं जैसे बल्लेबाज है। ऐसे में मुझे लगता है कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, क्योंकि तब उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप में काफी गहराई होगी। मैं वास्तव में चाहता हूं कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें, क्योंकि तब शायद वह टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकेंगे। इस क्रिकेटर को पिछले साल की मेगा नीलामी में लखनऊ ने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे वह आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पहले 43 मैचों में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की थी। रैना को यह भी लगता है कि उनके लिए राह आसान नहीं है। टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव, अवेश खान, आकाश दीप और मोहसिन खान अभी तक फिट नहीं हुए हैं। पास हालांकि रवि बिश्नोई जैसा अच्छा स्पिनर है।

फ्रेजर को आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा : गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर एडम गिलक्रिस्ट ने आईपीएल में दिल्ली कैपिल्स की ओर से खेलने वाले युवा बल्लेबाज जैक फ्रेजरमैक्गर्क से कहा है कि उन्हें टीम में बने रहने बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गिलक्रिस्ट ने कहा कि अगर फ्रेजरअच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो वह अधिक दिन आईपीएल नहीं खेल पायेंगे। इस युवा क्रिकेटर ने पिछले साल आईपीएल में डेब्यू किया था और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया पर इस बार ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। गिलक्रिस्ट ने बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा है कि आईपीएल यह बर्दाश्त नहीं करता कि आप परिणाम नहीं दे रहे हैं। गिलक्रिस्ट ने कहा कि दिल्ली ने फ्रेजरमैक्गर्क के ऊपर बहुत भरोसा जताया है। इसलिए यह बहुत अहम हो जाता है कि वह अग टीम को अच्छी शुरुआत दें। पूर्व ऑस्ट्रेलियन विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहाकि जहां तक मैं जानता हूं आईपीएल में मालिक और कोच इतना मेहरबान नहीं होते। अगर आप बहुत लंबे समय तक असफल रहते हैं तो आपको सहन नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि हालिया खराब फॉर्म के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने फ्रेजर-मैक्गर्क पर भरोसा जताया है। ऐसी उम्मीद है कि वह फाफ डू प्लेसिस के साथ टीम के लिए पारी की शुरुआत करेंगे। गिलक्रिस्ट ने कहा कि अरुण जेटली स्टेडियम की बल्लेबाजों के अनुकुल पिच मैक्गर्क के लिए सहायक हो सकती है। पिछले साल उन्होंने जिन पिचों पर बल्लेबाजी की थी वो बल्लेबाजी पिचें थीं। इस बार भी हालात वैसे ही रहेंगे। अब उनके पास अवसर है कि वह किस तरह का प्रदर्शन करते हैं।

शुभमन गिल बोले, कप्तानी को बल्लेबाजी से मिलाना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि कप्तानी में सफलता के लिए इसके साथ बल्लेबाजी को कभी भी मिलाना नहीं चाहिये। इन्हें अलग रखना ही टीम के लिए फायदेमंद रहता है। शुभमन के अनुसार अगर आप कप्तानी और बल्लेबाजी को मिला देते हैं तो वह नुकसानदेह साबित होता है। शुभमन पिछले सत्र में ही हार्दिक पांड्या की जगह गुजरात टाइटंस के कप्तान बने। इस युवा कप्तान ने अभ्यास सत्र से पहले कहा कि कप्तानी और बल्लेबाजी को जितना अलग रखेंगे, उतना ही अच्छा है। मेरा अनुभव यही है कि अगर मैं बल्लेबाजी करने जा रहा हूं तो बल्लेबाजी पर ही ध्यान दूं। उस समय एक बल्लेबाज के तौर पर जो फैसले मैं लेता हूं, वह मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ होते हैं। वहीं, जब हम फील्डिंग कर रहे होते हैं तब मैं कप्तानी से ज्यादा जुड़ता हूं। बल्लेबाजी करते समय बल्लेबाज के रूप में रहना ही मेरे लिए अच्छा है। उन्होंने साथ ही कहा कि बतौर कप्तान आप प्रतिदिन कुछ नया सीखते हैं, खिलाड़ियों के बारे में या अपने बारे में। अच्छा कप्तान बनने के लिए इन चीजों पर काम करना जरूरी है। शुभमन ने 2023 सीजन के दौरान 890 रन बनाए थे, लेकिन अगले सीजन जब वे कप्तान बने तो उनके रनों की संख्या आधे से ज्यादा घटकर 426 रन रह गई थी। यहां तक कि स्ट्राइक रेट भी 157.70 से घटकर 147.40 रह गया था। टीम की हालत भी अच्छी नहीं रही थी और वह प्लेऑफ की दौड़ से भी दूर रही थी।

सचिन सहित पूर्व क्रिकेटरों को पेंशन दे रही बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) खेल से संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों की देखभाल और उनके योगदान के प्रति सम्मान देने के लिए खिलाड़ियों को पेंशन भी देती है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सहित सभी खिलाड़ियों को ये पेंशन दी जाती है। ये पेंशन खिलाड़ियों द्वारा खेले गए टेस्ट मैचों की संख्या पर भी निर्भर करती है। यानी, जितने अधिक टेस्ट मैच खेले गए होंगे, पेंशन उतनी ही ज्यादा होगी। यह योजना क्रिकेटरों की लंबी सेवा और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए लागू की गई है। सचिन को बीसीसीआई की ओर से हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। यह राशि उनकी क्रिकेट यात्रा और उनकी उपलब्धियों को देखते हुए तय की गई है। सचिन के अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों को भी बीसीसीआई की ओर से पेंशन दी जाती है। जैसे कि युवराज सिंह को हर महीने 60,000 रुपये की पेंशन मिलती है, जबकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली को हर महीने 52 हजार की राशि मिलती है। यह पेंशन योजना उन खिलाड़ियों के लिए एक सम्मान के रूप में देखी जाती है, जिन्होंने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए अहम योगदान दिया है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी बीसीसीआई अपने पूर्व खिलाड़ियों की आर्थिक सुरक्षा तय करने के लिए जारी रखे हुए हैं। इसका कारण है कि कई पूर्व क्रिकेटर आर्थिक तौर पर सक्षम नहीं है। बीसीसीआई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के अलावा रणजी खेलने वाले क्रिकेटरों को भी ये सुविधा देता है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायक प्रीतम लोधी एवं पार्षद सांखला के निवास पर पहुँचकर व्यक्त की शोक संवेदनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर के ग्राम जलालपुर पहुँचकर पिछोर विधायक प्रीतम लोधी के छोटे भाई वीरन सिंह के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने स्व. वीरन सिंह चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादवदौलतगंज में वरिष्ठ पार्षद अनिल सांखला के निवास परभी पहुँचे। उन्होंनेसांखला के बड़े भाई श्रीसुभाष सांखला के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त कर श्रृद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलादसिंह पटेल, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, जयप्रकाश राजौरिया और प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी श्रृद्धांजलिदी।

प्रदेश में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के जमीनी सत्यापन की प्रक्रिया जारी

भोपाल। स्वच्छता एक संकल्प है, जिसे मध्यप्रदेश में एक जन आंदोलन बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता संकल्प को प्रदेश ने आत्मसात किया है। स्वच्छता आंदोलन के परिणाम दिखाई देने लगे हैं। देश और प्रदेश में हर वर्ष की तरह दुनिया की सबसे बड़ी स्वच्छता प्रतियोगिता स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 जारी है। स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रदेश के शहर बहुत गंभीरता के साथ अपनी भागीदारी कर रहे हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान केन्द्र सरकार की सर्वेक्षण टीमें शहरों में स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लेती हैं। इसमें स्वच्छता की आधारभूत तैयारियों का परीक्षण, खुले में शौच से मुक्ति और मल-जल का निस्तारण (ओडीएफ++ और वॉटर+) कचरा मुक्त शहरों के लिए स्टार रेटिंग (1,3 5 व 7 स्टार रेटिंग) सहित कुल तीन परीक्षण किए जाते हैं। अभी प्रदेश में आधारभूत तैयारियों का परीक्षण जारी है, जिसमें 269 शहरों में परीक्षण पूर्ण हो चुका है, शेष शहरों के परीक्षण के लिये टीमें पहुँच रही हैं। इसके बाद ओडीएफ++ और स्टार रेटिंग के परीक्षण शुरू होंगे। मध्यप्रदेश के नगरीय निकाय वर्ष भर शहरी स्वच्छता को सँवारने में जुटे रहते हैं। प्रदेश में नियमित कचरा संग्रहण, परिवहन और निपटान के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया गया है। इससे शहरों की स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ खुले में शौच पर प्रतिबंध को सफल बनाने के बाद शहरों को ओडीएफ़++ और वॉटर+ प्रमाण-पत्र दिलाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर सिंह ने किया गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा शुक्रवार को तहसील बैरसिया एवं हुजूर के अंतर्गत आने वाले गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैरसिया स्थित भगवती वेयरहाउस तरावली एवं श्रीराम वेयरहाउस भैंसोंदा का दौरा किया। श्रीराम वेयरहाउस में कलेक्टर ने स्वयं मॉइश्चर मशीन पर गेहूं के नमी स्तर का परीक्षण किया। पहले सूखे गेहूं की जांच की गई, फिर हल्का पानी छिड़ककर गीले गेहूं का परीक्षण किया गया ताकि मॉइश्चर मीटर की कार्यक्षमता सुनिश्चित की जा सके। भगवती वेयरहाउस तरावली में उन्होंने उपार्जित गेहूं के बोरों पर किसान पंजीयन कोड की पर्चियों की स्थिति का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित एसडीएम बैरसिया आशुतोष शर्मा एवं एसडीएम हुजूर विनोद सोनकिया को निर्देश दिए गए कि सभी उपार्जन केंद्रों का राजस्व अधिकारी नियमित भ्रमण करें। साथ ही किसानों की सुविधा के लिए स्वच्छ एवं ठंडे पेयजल, छाया, पंडाल, कुर्सियों एवं अल्पाहार में चना, मूंगफली के दाने तथा गुड़ की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पर्याप्त संख्या में तौल कांटे, हम्माल एवं तुलावटी की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने को कहा गया।

पारिवारिक विवाद के बाद सिक्योरिटी गार्ड ने खुद को मारी गोली, मौत

इंदौर। इंदौर के खजराना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक सिक्योरिटी गार्ड ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली और उसकी मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे वैभव लक्ष्मी नगर में हुई। घायल सिक्योरिटी गार्ड की पहचान राम मनोहर भदौरिया के रूप में हुई है, जो एक गार्डन में नाइट ड्यूटी करते थे। सुबह जब वह घर लौटे तो किसी पारिवारिक मुद्दे पर कहासुनी हो गई, जिसके बाद उन्होंने अपनी 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। राम मनोहर भदौरिया ने जैसे ही खुद को गोली मारी, तेज आवाज सुनकर परिजन तुरंत उनके पास पहुंचे।

विष्णुदत्त शर्मा ने लोकसभा में कृषि अनुदान मांगों पर दिया संबोधन, जताया प्रधानमंत्री का आभार

मोदी सरकार के बजट में निहित हैं बापू, बाबा साहब अंबेडकर और पं.दीनदयाल की भावना

मध्य स्वर्णिम

नई दिल्ली/भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को लोकसभा में कृषि अनुदान मांगों पर अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय बजट में कृषि क्षेत्र के लिए जो बजट आवंटन किया गया है, वह अन्नदाता की समृद्धि का रोडमैप है। इसमें एक तरफ जहां महात्मा गांधी की ग्राम विकास की भावना दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ बाबा साहेब अंबेडकर की दलितों-शोषितों को आगे बढ़ाने तथा पं. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की भावना भी निहित है।

विपदल की सरकारों ने 55 वर्षों तक देश पर शासन किया और ये गरीबी हटाने की बातें तो करते रहे, लेकिन गरीबी हटाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रयासों से देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने बजट में कृषि क्षेत्र के लिए किए गए अभूतपूर्व प्रावधान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के प्रति आभार जताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, रोजगार प्रदान करने तथा देश के समग्र आर्थिक विकास में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि भारत के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने के लिए महत्वपूर्ण है। इन तथ्यों को पहचानते हुए प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के लिए बजट प्रावधान में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने खेत नहीं देखे, गांव नहीं देखे और गरीबी नहीं देखी, वे कैसे गरीबों का दुख दर्द समझेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक गरीब मां के बेटे हैं और उन्होंने गरीबों की पीड़ा को महसूस भी किया है। इसलिए उन्होंने देश से गरीबी मिटाने का संकल्प लिया है और कृषि क्षेत्र के लिए बजट में किए गए प्रावधान उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि विपदल की सरकारों ने 55 वर्षों तक देश पर शासन किया। ये गरीबी हटाने की बातें तो करते रहे, लेकिन गरीबी हटाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रयासों से देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए है। किसानों और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए भी मोदी सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि 2008 में इस क्षेत्र के लिए जो बजट 11,915. 22 करोड़ का था, वह वर्तमान बजट में 1,22,528.77 करोड़ हो गया है। एनडीए की सरकार ने फसलों की एमएसपी में 65 प्रतिशत की वृद्धि की है। सरकारी खरीदी में 30 प्रतिशत वृद्धि हमारी सरकार ने की है।

वहीं, किसानों के लिए सब्सिडी में तीन गुना की वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस बजट के माध्यम से हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के मन के भाव कुछ इस तरह हैं-माना कि अंधेरा घना है, पर दीया जलाना कहां मना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें किसानों की बेहतरी के लिए मिलकर प्रयास कर रही हैं।

30 साल से अधिक उम्र के नागरिकों के लिए संचालित निरोगी काया अभियान में डेढ़ लाख लोगों की हुई स्क्रीनिंग

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लिए चलाए जा रहे निरोगी काया अभियान के तहत भोपाल में अब तक एक लाख 55 हजार 373 लोगों की उच्च रक्तचाप की स्क्रीनिंग हुई है, जबकि एक लाख 45 हजार 653 लोगों की डायबिटीज की जांच की गई है। 31 मार्च तक चलने वाले इस विशेष अभियान में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप, नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज, ओरल, ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल स्क्रीनिंग की जा रही है। ये स्क्रीनिंग आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक, सिविल डिस्पेंसरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सिविल अस्पतालों एवं जिला पर की जा रही है। हितग्राहियों की जांच और उपचार की रिपोर्ट एनसीडी पोर्टल में दर्ज की जा रही है।

अभियान में अब तक 12139 लोगों में उच्च रक्तचाप और 13648 में डायबिटीज पाई गई है। इन लोगों को अभियान के दौरान ही पहली बार हाइपरटेंशन और डायबिटीज का पता चला। चिह्नित रोगियों का उपचार नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं से प्रारंभ किया गया है। दवाइयों के साथ-साथ जीवन शैली में परिवर्तन, खानपान एवं व्यायाम की सलाह भी दी गई है।

46226 लोगों में नॉन एल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग की गई है, इनमें से 11261 लोगों में प्रारंभिक लक्षण मिले हैं। अभियान के दौरान जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं और फील्ड में पहुंचकर दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली जा रही है।

उपार्जन, परिवहन एवं भण्डारण में निगरानी के लिए बनेगा केन्द्रीय कृत कंट्रोल कमांड सेंटर : राजपूत

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अफसरों को निर्देश दिये हैं कि धान और गेहूँ उपार्जन, परिवहन और भण्डारण में सामने आने वाली गड़बडियों को रोकने के लिए एकीकृत निगरानी तंत्र जल्द विकसित करें। खाद्य मंत्री सिंह ने अपर मुख्य सचिव खाद्य एवं आयुक्त खाद्य को दिये निर्देश में कहा कि है धान और चावल के मिलिंग और परिवहन के दौरान वाहनों में जीपीएस सिस्टम आवश्यक रूप से लगवाने के साथ उसकी मॉनिटरिंग भी करें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि मुख्यालय स्तर पर कन्ट्रोल कमांड सेन्टर बनाया जाए जिससे खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम एवं वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरे प्रदेश में भण्डारित किये गये उपार्जित धान एवं गेहूँ और चावल की मात्रा, परिवहन और मिलिंग की जानकारी एक ही क्लिक पर उपलब्ध हो जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप खाद्य विभाग में जीरो टॉरलेंस की नीति के पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन हेतु खाद्य मंत्री राजपूत हर संभव कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि खाद्य मंत्री राजपूत ने विधानसभा में सदन को आश्वस्त किया था कि उपार्जन, परिवहन, भण्डारण में गड़बड़ी रोकने के लिए एकीकृत प्रणाली विकसित कर होने वाली गड़बड़ियों पर लगाम कसेंगें। दरअसल सहकारिता विभाग के सहयोग से मिलकर गड़बड़ी करने वाली समितियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई जारी रखेगें। खाद्य मंत्री राजपूत ने सदन को आश्वस्त किया था कि जिन जिलों में समितियों में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा किसी भी प्रकार की गड़बड़ियां सामने आई है उन पर कठोर कार्रवाई की जाएंगी, किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा।

धान और गेहूँ उपार्जन में गड़बड़ी रोकने बनेगा एकीकृत निगरानी तंत्र

धान मिलिंग तथा फर्जी खरीदी में 46 करोड़ का घोटाला उजागर, 74 के खिलाफ प्रकरण दर्ज

मध्य स्वर्णिम

जबलपुर। जिले में 46 करोड़ रुपये के धान घोटाले का बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें 17 मिलर्स, एमपीएससीएससी के 13 कर्मचारी और 44 उपार्जन केंद्र कर्मचारी सहित 74 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। कलेक्टर दीपक सक्सेना के अनुसार अंतर जिला मिलिंग के लिए मिलर्स द्वारा उठाई गई धान स्थानीय दलालों को बेचे जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी।

जिसकी जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने जांच में पाया कि लगभग 14 हजार मीट्रिक टन धान के डीओ जारी किए गए थे। जिन वाहनों से धान की सप्लाई गई थी, उनके रजिस्ट्रेशन के संबंध में मिलर्स, एमपीएससीएससी तथा सोसायटी व उपार्जन केंद्र से जानकारी मांगी गई थी। धान की सप्लाई वाहनों से 614 ट्रिप में हुई थी। धान सप्लाई में लगे वाहनों के टोल टैक्स से निकलने के संबंध में एनएएचआई से जानकारी एकत्र की गई।

एनएचएआई की तरफ से कमेटी को बताया गया कि उक्त रजिस्ट्रेशन के 571 ट्रिप वाहन टोल टैक्स से निकले हैं। इसमें से 307 ट्रिप निकलने वाले वाहन कार या बहुत कम लोडिंग क्षमता के वाहन हैं। इसके अलावा रजिस्ट्रेशन नम्बर भी फर्जी हैं। इस तरफ मिलिंग के लिए उठाई गई लगभग 13 हजार मीट्रिक टन धान का घोटाला किया गया है, जिसका मूल्य लगभग 30 करोड़ रुपये है। इसके अलावा जांच के दौरान पाया गया कि 7200 मीट्रिक टन धान की फर्जी खरीदी ऑन लाइन पोर्टल में दर्ज की गई है। वास्तविकता में उक्त धान की खरीदी नहीं की गई थी।

सख्त कार्रवाई के निर्देश

प्रशासन ने संलिप्त मिलर्स के लाइसेंस और अनुबंध निरस्त करने तथा उन्हें ब्लैकलिस्ट करने का प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी को भेजा है। साथ ही, बैंक गारंटी जब्त कर धान मूल्य की वसूली के निर्देश दिए गए हैं। एमपीएससीएससी के दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों और उपार्जन केंद्रों के नोडल अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। जिले के सात थानों में दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।

गेर में एनआरआई भी लुट गए, सोने की चेन और मोबाइल चोरी

इंदौर। इंदौर में रंगपंचमी की गेर देखने के लिए दुनियाभर से एनआरआई यहां पर आए। सरकार और प्रशासन ने गेर को ख्याति दिलाने और सुरक्षा इंतजाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन इस बार आई चोरी की शिकायतों ने सभी को हैरान कर दिया है। थाना एमजी रोड पर 35 से अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं जिनमें सोने की चेन और महंगे मोबाइल का चोरी होना बताया गया है। जिनके साथ ये घटना हुई है, उनमें कई एनआरआई भी शामिल हैं। एनआरआई दीपेश हेमनानी ने बताया कि वे और उनके भाई इंदौर में रंगपंचमी की गेर देखने के लिए हमेशा आते हैं।

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक (21-23 मार्च) का शुभारम्भ बेंगलूरु में सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर की। बैठक में लगभग 1450 प्रतिनिधि उपस्थित हैं।

स्वयं के साथ समाज के अन्य लोगों को भी करें जागरूक: शमी

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम आयोजित

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। हम सभी किसी न किसी रूप में उपभोक्ता हैं। सभी को उपभोक्ता अधिकारों की समग्र जानकारी नहीं है। समाज को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना हमारी जिम्मेदारी है। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने यह बात विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कही।

श्रीमती शमी ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश खरीदी ई-प्लेटफार्म के माध्यम से की जा रही हैं। इसमें गुणवत्तायुक्त सामग्री नहीं मिलने पर क्या कार्रवाई की जा सकती है, इसकी जानकारी होना चाहिए। जिला उपभोक्ता संरक्षण अदालतों में 50 लाख रूपये तक, राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग में 50 लाख रूपये से 2 करोड़ रूपये तक और राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण आयोग में इससे अधिक राशि के प्रकरणों की सुनवाई की जाती है। उपभोक्ता निर्णय से असंतुष्ट होने पर 45 दिन में अगले स्तर पर अपील कर सकते हैं। उन्होंने सामाजिक संगठनों से आग्रह किया कि उपभोक्ताओं को सतत् जागरूक करते रहें। मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री व्ही.के. मल्होत्रा ने कहा कि उपभोक्ताओं की जागरूकता और योजनाओं का क्रियान्वयन करने वालों की संवेदनशीलता बहुत जरूरी है।

रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग शोभित जैन ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं संभाग और जिला स्तर पर भी आयोजित कर उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाये। उन्होंने सस्टेनेबल फ्यूचर और ग्रीन फुट-प्रिंट के बारे में भी उपभोक्ताओं को जागरूक करने पर जोर दिया। आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने बताया कि उपभोक्ता अदालतों में ऑनलाइन सुनवाई की भी व्यवस्था की गई है।

इससे उपभोक्ता घर से ही सुनवाई में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं को प्रदत्त अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी। अतिथियों ने उपभोक्ता जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्था जागरूक उपभोक्ता समिति इंदौर को एक लाख 11 हजार रूपये का प्रथम पुरस्कार और अखिल भारतीय उत्थान संगठन सतना को 51 हजार रूपये का द्वितीय पुरस्कार दिया।

नया ओ.एस. स्वीकृत होते ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करें : तोमर

बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को नम्बर एक राज्य बनाना है

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। बिजली के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को नम्बर एक राज्य बनाना है। इसके लिये टीम भावना के साथ कार्य करें। बिजली कंपनियों की नवीन संगठनात्मक संरचना (ओ.एस.) स्वीकृत होते ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करें। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश गुरूवार को मंत्रालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये।

मंत्री तोमर ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारी रखने की नीति सभी कंपनियों की एक समान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की एक टीम बनायें, जो यह देखे कि कंपनियों में क्या समस्यायें हैं। साथ ही उनके निराकरण के लिए एक समान नीति बनाये। मंत्री तोमर ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के आधार पर लाइन सासेस कम करें। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में बिजली बिलों की बसूली कम होती है, वहाँ वसूली बढ़ाने के लिये कार्य योजना बनायें। उपभोक्ता संतुष्टि को प्राथमिकता दें। मंत्री तोमर ने कहा कि लोक अदालतों के माध्यम से लंबित प्रकरणों का निराकरण करायें। इससे कंपनी की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि बिलिंग के सिस्टम में समानता होनी चाहिए। अवैध कनेक्शन को मीटरीकृत कर वैध करें। इससे बिलों की वसूली हो सकेगी।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों में तत्परता से कार्यवाही करें। शासन के निर्देशों के अनुरूप नीति बनायें, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत करें।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि जन संवाद को गंभीरता से लें। यह कंपनी और उपभोक्ता दोनों के लिये लाभकारी है। वर्ष 2021 से अभी तक 17 लाख 20 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं से संवाद हो चुका है। उन्होंने कहा कि विभाग की परिसंपत्तियों को सूचीवद्ध करवाकर उन्हें सुरक्षित करें। आवश्यकतानुसार फेंसिंग अथवा वाउण्ड्रीबाल बनवायें। बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मण्डलोई ने विभागीय योजनाओं की उपलब्धियों की जानकारी दी।

हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से कूदा इंजीनियरिंग छात्र, मौत

गुना। गुना जिले के राघौगढ़ स्थित जेपी यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग के सेकंड ईयर के छात्र वैभव वर्मा ने हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह जब वार्डन ने उसका शव देखा, तो उन्होंने तुरंत मैनेजमेंट और पुलिस को सूचना दी। जांच के दौरान छात्र के लैपटॉप से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ, जिसमें उसने उधार लिए पैसे वापस न कर पाने की वजह से आत्महत्या करने की बात लिखी थी। सुसाइड नोट में वैभव ने लिखा अनुज, मेरे दोस्त, तेरे साथ बहुत अच्छा समय बिताया, पर ये और लंबा होना चाहिए था। मैं बहुत गिल्ट में हूं। मेरे साथ 20 हजार रुपए का फ्रॉड हुआ। मैंने दोस्त से 15 हजार रुपए उधार लिए थे, लेकिन वापस नहीं कर पा रहा था। मुझे माफ कर देना। मम्मी-पापा, आपने मुझे बहुत अच्छी जिंदगी दी, लेकिन मैं आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। भैया, आपने भी मेरा बहुत सपोर्ट किया। मैं आप सबसे माफी चाहता हूं। वैभव के रूममेट ने बताया कि रात में 2 बजे तक सबने साथ पढ़ाई की थी। वह हंसते हुए बात कर रहा था और परेशान भी नहीं लग रहा था। यहां तक कि छुट्टियों में बाहर खाने जाने का प्लान भी बना रहे थे।